www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, गुरूवार
3 सितम्बर 2026
वर्ष: 49
अंक: 120 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

सज गया ब्रिक्स का मंच, दिल्ली में जुटेंगे दुनियाभर के दिग्गज

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस इस महीने के आखिर में नई दिल्ली में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इस साल अध्यक्ष होने के नाते, भारत 12-13 सितंबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में

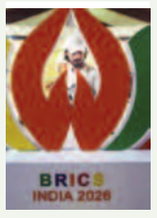

सम्मेलन की मेजबानी करेगा। इस शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स के सदस्य और सहयोगी देशों के नेताओं के साथ-साथ विशेष रूप से आमंत्रित अतिथि भी शामिल होंगे। गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने मंगलवार को कहा कि हमें अभी आधिकारिक तौर पर यह घोषणा करनी है कि महासचिव लगभग 10 दिनों में नई दिल्ली में होने वाली ब्रिक्स बैठक में भाग लेंगे। बता दें कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता का विषय लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण है। भारत के 25 से अधिक शहरों में 350 से अधिक बैठकें और उच्च-स्तरीय बातचीत हुई हैं।

महुआ मोइत्रा की सुरक्षा में तैनात रहेंगे दो पुलिसकर्मी

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा को उनके संसदीय क्षेत्र में जाने के दौरान पुलिस सुरक्षा देने का निर्देश दिया है।

मंगलवार को न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने निर्देश दिया कि महुआ जब भी अपने संसदीय क्षेत्र में प्रवेश करेंगी, उनके साथ कम से कम दो पुलिसकर्मी तैनात किए जाएं। यह सुरक्षा फिलहाल 30 दिनों के लिए दी गई है। मामले की अगली सुनवाई एक अक्टूबर को होगी। अदालत ने कहा कि महुआ को अपने संसदीय क्षेत्र में काम करने के दौरान किसी तरह की परेशानी या उत्पीड़न का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित करना राज्य की जिम्मेदारी है। सांसद को अपने क्षेत्र में जाने से रोकना या उनके साथ किसी तरह का हमला अथवा दुर्व्यवहार उचित नहीं है। अदालत ने कहा महुआ को क्षेत्र में जाने की तारीखें बतानी होगी।

दो दिन बाद अमेरिका का ईरान पर फिर मिसाइल हमला

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने ईरान पर 3 दिन में दूसरी बार हमला किया है। अमेरिकी सेना ने मंगलवार रात सिरिक, खुजस्तान, केश्म द्वीप और बंदर अब्बास पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए। ईरान के मुताबिक सिरिक में एक शादी समारोह के

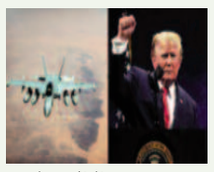

दौरान मिसाइल गिराए गिए। इसमें 5 लोगों की मौत हुई जबकि 68 लोग घायल हो गए। मेहर न्यूज के मुताबिक मरने वालों में 4 साल का एक बच्चा भी शामिल है। हमले के बाद सामने आए वीडियो और तस्वीरों में घायल बच्चे अस्पताल में इलाज कराते दिख रहे हैं। वहीं, खुजस्तान प्रांत पर हमले में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग घायल हुए। हालांकि अमेरिका का दावा है कि उन्होंने ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है।

गांव हो या शहर, बारिश ने ढाया कहर

यूपी-एमपी से लेकर बंगाल तक भारी बारिश ने मचाया आतंक उत्तराखंड में 12 लोगों की मौत, बिहार में छाया बाढ़ का खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड में पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश जारी है। मंगलवार को बारिश से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में 12 लोगों की मौत हो गई। नैनी झील का जलस्तर 88 फीट पार होने के बाद चैनल खोल दिए गए हैं। राज्य में 172 सड़कें बंद हैं। नैनीताल, बागेश्वर और देहरादून में आज ऑरेंज अलर्ट है। पांच जिलों में स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र बंद कर दिए गए हैं। इधर, बिहार में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। राज्य में गंगा-पुनपुन समेत कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। पटना में सुबह से बारिश हो रही है।

मंगलवार को तेज बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में पानी भर गया। भागलपुर में 100 साल पुराना दुर्गा मंदिर कटाव के चलते गंगा में समा गया। उत्तर प्रदेश के सीतापुर में भारी बारिश के कारण दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। गाजीपुर में गंगा में नहाते समय दो नाबालिग बह गईं। उन्नाव में बारिश के बाद गंगा एक्सप्रेसवे पर करीब 7 फीट गहरा गड्ढा हो गया। इस मानसून में गंगा एक्सप्रेसवे धंसने की यह दूसरी घटना है। वहीं, बलिया में करीब 20 हजार लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। वहीं, मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से में स्ट्रॉन्ग मानसूनी सिस्टम सक्रिय है। जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में भारी बारिश हो रही है। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से ऊपर है। रामघाट की करीब 400 दुकानें और 20-25 होटल डूब गए हैं। सतना में 2 और 3 सितंबर को स्कूल, कॉलेज और आंगनबाड़ी केंद्र बंद रखने के आदेश दिए गए हैं।

दार्जिलिंग रेलवे स्टेशन का लोको शेड ढहा

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग रेलवे स्टेशन के लोको शेड का एक हिस्सा बुधवार को लगातार हो रही भारी बारिश के बीच ढह गया, जिससे वहां काम कर रहे आठ कर्मचारी घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यूनेस्को की विश्व धरोहर

में शामिल दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे के प्रभावित कर्मचारियों को चिकित्सकीय उपचार दिया गया। डीएचआर के एक अधिकारी ने बताया कि किसी भी कर्मचारी को गंभीर चोट नहीं आई है। हिमाचल प्रदेश में मानसून के दौरान अब तक 259 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र के मुताबिक, 30 जून से 1 सितंबर के बीच 64 दिनों में सरकारी और निजी संपत्तियों को 1,200 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ है। छत्तीसगढ़ में मानसून फिर सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान जताया है। उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में भारी बारिश हो सकती है।

सही समय पर पड़ोसी देशों ने मदद पहुंचाई, धन्यवाद

नेपाली पीएम शाह ने संसद में भारत को कहा शुक्रिया

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने बाढ़ के मुश्किल समय में मदद के लिए भारत का शुक्रिया अदा किया है। भारत के साथ-साथ चीन को भी शाह ने धन्यवाद दिया है। नेपाल में बीते महीने के आखिरी में आई बाढ़ से भारी तबाही मची है, जिसके बाद पड़ोसी देशों ने नेपाल की दिल खोलकर मदद की है। बाढ़ के बाद कई स्तरों पर जिन देशों ने नेपाल की बढ़-चढ़कर मदद की, उसमें चीन और भारत का नाम सबसे प्रमुख है।

बुधवार को नेपाल की संसद में बोलते हुए पीएम बालेन शाह ने कहा कि इतनी बड़ी आपदा के समय अंतरराष्ट्रीय मदद लेने से इनकार करने का सवाल ही नहीं उठता था। नेपाल ने समय पर मदद पाने के लिए निजी क्षेत्र में दूसरे देशों के साथ तालमेल बिठाया। भारत और चीन ने हमें मदद रहते मदद पहुंचाई, जिससे बहुत चीजें समय रहते संभव हो सकीं। नेपाली प्रधानमंत्री बालेन शाह ने संसद में कहा, हमारे मित्र देशों, चीन और भारत ने टेक्नीशियन भेजे थे।

मुश्किल समय में नेपाल के साथ खड़ा रहा भारत

26 अगस्त को तिब्बत में ग्लेशियर टूटने से नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद भारत की ओर से मदद की जा रही जहै। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को बताया कि नेपाल के लिए भारत का पांचवां राहत विमान रवाना हुआ है। यह विमान 11 सदस्यीय बचाव दल, विशेष बचाव उपकरणों और 5.5 टन जरूरी दवाइयों के साथ नेपाल भेजा गया है। नेपाल की मदद के लिए भारत अब तक 68 टन से अधिक राहत सामग्री और विशेष बचाव दल भेज चुका है। भेजी गई राहत सामग्री में कंबल, स्लीपिंग बैग, मजबूत तिरपाल, प्लास्टिक शीट और हाइजीन किट शामिल हैं।

राममंदिर ट्रस्ट के पहले सीईओ बने पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा

ऑपरेशन सिंदूर में पश्चिमी कमान को लीड किया था, देवरिया के रहने वाले

अयोध्या (एजेंसी)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को अयोध्या राम मंदिर का पहला सीईओ (चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफीसर) बनाया है। बुधवार को हुई ट्रस्ट की बैठक में उनके नाम का ऐलान किया गया। देवरिया के रहने वाले जितेंद्र मिश्रा ने ऑपरेशन सिंदूर में पश्चिमी वायु कमान को लीड किया था।

सांसद दिनेश शर्मा बोले- यह ट्रस्ट का अपना फैसला

इस बीच राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। इस मुद्दे पर भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा- राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट एक स्वतंत्र संस्था है, जिसे न्यायालय के फैसले के बाद कानूनी प्रक्रिया के तहत बनाया गया था। उनके कामकाज के लिए उनका अपना संविधान है, इसलिए वे उसका पालन करते हुए जो भी कानूनी रूप से सही फैसला लेंगे, मेरा मानना है कि वह धार्मिक भावनाओं का पूरा सम्मान करेगा। यह उनका अपना फैसला होगा और किसी भी अन्य व्यक्ति को इस पर किसी भी तरह से टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है। दिनेश शर्मा ने स्पष्ट किया कि राम मंदिर आस्था का केंद्र है और ट्रस्ट का हर निर्णय भक्तों की भावनाओं को ध्यान में रखकर ही लिया जाएगा। बाहरी लोगों को इस पर अनावश्यक टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।

बिहार के मंत्री ने पारदर्शिता पर दिया जोर

वहीं, पटना में बिहार के मंत्री दिलीप जायसवाल ने भी राम मंदिर में पारदर्शिता की बात पर जोर दिया। राम मंदिर के पहले सीईओ की नियुक्ति पर उन्होंने कहा, राम मंदिर को लेकर सरकार का स्पष्ट रुख है कि वहां किसी भी हाल में कोई अनियमितता नहीं होनी चाहिए। राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले में भी बहुत तेजी से कार्रवाई की गई और अब सीईओ की नियुक्ति हो गई है। दूसरी तरफ, कांग्रेस ने इस नियुक्ति पर सवाल खड़े किए हैं। लखनऊ में कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने चढ़ावा चोरी मामले का जिक्र करते हुए ट्रस्ट पर हमला बोलते हुए कहा, ट्रस्ट ने लोगों के भरोसे को तोड़ा है।

यूपी के 3.5 लाख कर्मचारियों की सैलरी 7 हजार बढ़ी

50 लाख तक बीमा मिलेगा, योगी ने आउटसोर्स सेवा निगम की शुरुआत की

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी आउटसोर्स सेवा निगम की वेबसाइट का बुधवार को सीएम योगी ने लोकार्पण किया। उन्होंने निगम के लोगो का अनावरण करने के साथ आउटसोर्स कर्मचारियों को चेक भी बांटे। निगम के शुरू होने के साथ प्रदेश के 3.5 लाख आउटसोर्स कर्मचारियों के मानदेय में 7 हजार रुपए तक की बढ़ोतरी की गई है। पहले 13 हजार रुपए प्रतिमाह मिलता था, अब यह 20 हजार तक कर दी गई है। इसके अलावा कर्मचारियों को 50 लाख रुपए तक का बीमा कवर भी मिलेगा। आकस्मिक दवा के लिए 5 लाख और एयर एम्बुलेंस के लिए 10 लाख रुपये की सहायता मिलेगी। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा-हर आउटसोर्स कर्मचारी को उसकी मेहनत के अनुरूप मानदेय मिलेगा। पहले तो उनको पता ही नहीं चलता था कि कितना मानदेय मिल रहा है। हम लोग जाते थे और कर्मचारी से पूछते थे कि कितना मानदेय मिल रहा है। वह बताता था कि कागज पर 9 हजार

रुपये है, लेकिन उसे 6 हजार रुपये ही मिल रहे हैं। बाकी रुपये कहां जाते हैं। उन्होंने बताया कि कोई आउटसोर्स कंपनी मनमाने तरीके से कर्मचारी को निकाल नहीं सकती। अगर किसी कर्मचारी को निकालना है तो कंपनी को सरकार को रिपोर्ट करना होगा। सरकार जांच करेगी, उसके बाद ही कोई कार्रवाई हो सकेगी।

हमारी व्यवस्था पहले तीन खेमों में बंटी थी- सीएम योगी ने कहा- पहले हमारी व्यवस्था तीन खेमों में बंटी थी। एक तरफ कार्मिक कर्मचारी होता था, दूसरी तरफ एजेंसी होती थी और तीसरी ओर सरकार होती थी। अक्सर हमारे कर्मचारी को अपनी समस्या लेकर अलग-अलग दरवाजों पर जाना होता था। लेकिन समाधान नहीं होता था।

अब कर्मचारी अकेला नहीं है, सरकार उसके साथ

सीएम ने कहा कि कर्मचारी को महसूस होना चाहिए कि उसके बेहतर काम का रिकॉर्ड रखा जा रहा है और उसके भविष्य को सुरक्षित रखने का ध्यान रखा जा रहा है। कर्मचारी अकेला नहीं है। उसे समय पर वेतन मिले और उसकी भविष्य निधि सुरक्षित रहे। हमारा मानना है कि सामाजिक भेदभाव दूर करने के लिए आर्थिक भेदभाव को दूर करना चाहिए। जब कोई व्यक्ति काम कर रहा है तो उसे उसके काम के अनुरूप सम्मान भी मिलना चाहिए। उसे सामाजिक सुरक्षा की गारंटी मिलनी चाहिए। कोई दुर्घटना होने पर वह अकेला न हो, बल्कि उसके साथ एक सुरक्षा कवर भी हो। सीएम योगी ने कहा कि आउटसोर्स कर्मियों के खाते में भविष्य निधि का पैसा भी जमा होगा। जब एक उम्र के बाद आप रिटायर होंगे तो आपको भविष्य के लिए पूंजी प्राप्त होगी। कोई एजेंसी आपको मनमाने तरीके से निकाल नहीं सकती। यदि ईएसआई के तहत कैशलेस इलाज की सुविधा नहीं मिल पाएगी तो हम आपको आयुष्मान योजना से जोड़ देंगे। दूसरी तरफ, हमने स्टेट बैंक के साथ एमओयू किया है। इसमें अलग-अलग वेतन पाने वाले कर्मचारियों को दुर्घटना या आपदा की स्थिति में 20 लाख से 50 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा कवर परिवार को दिलाया जाएगा। यदि कोई अग्निकांड का शिकार होता है तो 10 लाख रुपये की सहायता मिलेगी। आकस्मिक दवा के लिए 5 लाख और एयर एम्बुलेंस के लिए 10 लाख रुपये की सहायता मिलेगी। जीवन में कोई बड़ी अनहोनी होती है तो सरकार परिवार के साथ खड़ी है। पुत्र की शिक्षा के लिए 5 लाख और पुत्री की शिक्षा के लिए 8 लाख रुपये दिए जाएंगे। बेटी की शादी के लिए भी सहायता मिलेगी। हम आउटसोर्स वर्कफोर्स को ऑर्गेनाइज्ड करने जा रहे हैं।

5 रुपए में जमा होगा फोन, परिसर में सेल्फी और रील पर पाबंदी

तमिलनाडु के 52 मंदिरों में स्मार्टफोन पर लग गया प्रतिबंध

वीआईपी पर भी लागू होंगे नियम, तमिलनाडु सरकार का फैसला

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार ने राज्य के 52 प्रमुख मंदिरों में स्मार्टफोन ले जाने और इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी है। यह नियम मंगलवार से लागू हुआ है। नए नियम के मुताबिक, श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश से पहले स्मार्टफोन काउंटर पर जमा करना होगा। इसके लिए हर फोन पर 5 रुपए चार्ज देना होगा। बिना कैमरे वाले मोबाइल फोन मंदिर के अंदर ले जाने की अनुमति होगी। मंदिर परिसर में फोटो खींचने,

रील बनाने और वीडियो रिकॉर्ड करने पर रोक लगा दी गई है। इस नियम के तहत वीआईपी, बड़ी हस्तियों और मशहूर लोगों की फोटो या वीडियो बनाने की भी इजाजत नहीं होगी। हिंदू रिलीजियस एंड चैरिटेबल एंडोमेंट्स मंत्री रमेश ने यह जानकारी दी।

फोटो-वीडियो और रील बनाने पर रोक

यह फैसला 2 दिसंबर 2022 को मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच के आदेश के आधार पर जारी किए गए हैं। मंदिर परिसरों में श्रद्धालुओं, खासकर युवाओं द्वारा फोटो खींचने, रील बनाने और वीडियो रिकॉर्ड करने को लेकर लगातार चिंताएं जताई जा रही थीं। मंत्री ने कहा कि जिन मोबाइल फोन में कैमरा नहीं है, उन्हें मंदिर के अंदर ले जाने की अनुमति होगी। नए नियम का उद्देश्य मंदिरों की पवित्रता और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखना है। कांचीपुरम के प्रसिद्ध मंदिर में व्यवस्था शुरू हो गई है।

अब सीबीआई करेगी दिशा सालियान की मौत की जांच

हाईकोर्ट का आदेश, सुशांत राजपूत की मैनेजर थीं दिशा

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत की जांच सीबीआई को सौंप दी। कोर्ट ने यह फैसला दिशा के पिता की याचिका पर सुनाया। इसमें उन्होंने पुलिस की जांच पर सवाल उठाए थे। दिशा की मौत 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड में एक इमारत की 14वीं मंजिल से गिरने से हुई थी। घटना के छह दिन बाद, 14

जून 2020 को सुशांत सिंह भी मुंबई के बांद्रा स्थित अपने अपार्टमेंट में मृत मिले थे। दिशा केस की शुरुआती जांच करीब तीन महीने में बंद कर दी गई थी, लेकिन सोशल मीडिया पर अलग-अलग दावे सामने आने के बाद 2023 में इसे दोबारा खोला गया और टीम बनाई गई।

ऊधमसिंह नगर में बिना मान्यता संचालित चार मदरसे सील

प्रशासन की कार्रवाई तेज, आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर हुई कार्रवाई

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : उत्तराखंड में मदरसा शिक्षा व्यवस्था में लागू नई व्यवस्था के तहत प्रशासन ने बिना आवश्यक मान्यता एवं दस्तावेजों के संचालित संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में ऊधमसिंह नगर जिले के बाजपुर परगना क्षेत्र में चार मदरसों को सील किया गया है। जिला प्रशासन के निर्देश पर एसडीएम बाजपुर ऋचा सिंह और कोतवाली निरीक्षक नरेश चौहान के नेतृत्व में पुलिस बल के साथ सीलिंग की कार्रवाई की गई। प्रशासन के अनुसार, संबंधित मदरसा संचालक निरीक्षण के दौरान आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके, जिसके बाद नियमानुसार कार्रवाई की गई। प्रशासन द्वारा सील किए गए मदरसों में मदरसा जामिया हनफिया रजाउत उलूम, बाजपुर, मदरसा गुलशने इस्लाम, कनोरा, मदरसा जामिया फातिमा, बाजपुर तथा मदरसा मोइनुल उलूम, मोहल्ला गांधीनगर, केलाखेड़ा-बाजपुर शामिल हैं। एसडीएम ऋचा सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर क्षेत्र में संचालित मदरसों का निरीक्षण किया जा रहा है। जिन संस्थानों के पास निर्धारित मान्यता अथवा आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं होंगे, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अन्य मदरसों की भी जांच-पड़ताल जारी है।

नई व्यवस्था को लेकर हाईकोर्ट में याचिका

वहीं, राज्य में लागू नई मदरसा शिक्षा व्यवस्था और मान्यता संबंधी प्रावधानों के खिलाफ कुछ मदरसा संचालकों की ओर से नैनीताल हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिकाकर्ताओं की ओर से अदालत में तर्क दिया गया कि अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण तथा शिक्षा बोर्ड से मान्यता की अनिवार्यता के चलते कई मदरसों के सामने संचालन संबंधी कठिनाइयां उत्पन्न हो सकती हैं। प्रारंभिक सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से इस मामले में जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 15 सितंबर को प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रदेश में संचालित होने वाले सभी शिक्षण संस्थानों को निर्धारित नियमों और कानूनों का पालन करना होगा। सरकार का स्पष्ट मत है कि जो संस्थान नियमों के अनुरूप संचालित होंगे, उन्हें व्यवस्था के तहत कार्य करने का अवसर मिलेगा, जबकि नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

डीएम बोले मान्यता के मानकों का पालन अनिवार्य

ऊधमसिंह नगर के जिलाधिकारी नितिन भदौरिया ने कहा कि शासन के निर्देशों के तहत जिले में मदरसों का निरीक्षण अभियान जारी है। जिन संस्थानों ने निर्धारित प्राधिकरण से मान्यता नहीं ली है अथवा आवश्यक मानकों और नियमों का पालन नहीं किया है, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा को बड़ा झटका, दो मंडल अध्यक्षों ने छोड़े पद

देहरादून। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा संगठन को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के दो मंडल अध्यक्षों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। दोनों मामलों से जुड़े पत्र सामने आने के बाद संगठन में हलचल तेज हो गई है।

भाजपा महानगर देहरादून के धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र के पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल अध्यक्ष आशीष गिरी ने पारिवारिक एवं व्यक्तिगत व्यस्तताओं का हवाला देते हुए मंडल अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया। इसके बाद महानगर महामंत्री विजेन्द्र कुमार थपलियाल की ओर से उन्हें पद से पदमुक्त किए जाने की सूचना जारी की गई। वहीं, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल के मंडल अध्यक्ष

वासुदेव जखमोला ने भी निजी व्यस्तताओं एवं व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दिया। उनके स्थान पर कमल राठौर को मंडल अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की घोषणा की गई है। भाजपा संगठन में चुनावी तैयारियों के बीच हुए इन बदलावों को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। पार्टी के भीतर यह भी चर्चा है कि संगठन में वीर सिंह के करीबी माने जाने वाले नेताओं को जिम्मेदारियां दिए जाने को लेकर असंतोष था। हालांकि, इस संबंध में पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया गया है। चुनाव नजदीक आते ही धर्मपुर भाजपा में दो मंडल अध्यक्षों के इस्तीफे से संगठनात्मक समीकरणों को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है।

एक नजर

प्राध्यापिका के स्थानांतरण की मांग के लिए धरना

गुप्तकाशी। स्व. गंगाधर मैठाणी राजकीय महाविद्यालय गुप्तकाशी विद्यापीठ से अंग्रेजी विषय की प्राध्यापिका के स्थानांतरण की मांग को लेकर छात्र धरने पर बैठ गए। छात्रों ने उच्च शिक्षा निदेशालय हल्द्वानी को पत्र भेजकर प्राध्यापिका का स्थानांतरण करने और मामले की जांच की मांग की।

छात्र संघ महासचिव आयुष, उपाध्यक्ष वंदना, कोषाध्यक्ष रवीना, सह शुभांकी ने आरोप लगाया कि प्राध्यापिका का व्यवहार छात्रों के प्रति उचित नहीं है। छात्रों ने अध्यापन कार्य, छात्रवृत्ति, एनएसएस, रोवर-रेंजर और नैक से जुड़े दायित्वों को लेकर भी कई आरोप लगाए। छात्रों ने कहा कि मांग पूरी होने तक विरोध जारी रहेगा। वहीं संबंधित प्राध्यापिका ने छात्रों के आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि उन्हें बरगलाया गया है। प्रभारी प्राचार्य मनोज गैड़ी ने बताया कि मामले में दोनों पक्षों से बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया जा रहा है। जल्द मामले का समाधान किया जाएगा।

सात सितंबर तक स्नातक में होंगे प्रवेश

डोईवाला। शहीद दुर्गामल्ल पीजी कॉलेज में स्नातक प्रथम सेमेस्टर के लिए प्रवेश प्रक्रिया को विस्तार मिला है। अब प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश सात सितंबर तक दिए जाएंगे। वहीं, स्नातकोत्तर स्तर पर भी प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। डोईवाला महाविद्यालय में इन दिनों समर्थ पोर्टल के माध्यम से प्रथम प्रवेश प्रक्रिया जारी है। उच्च शिक्षा विभाग की ओर से स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश के लिए अब सात सितंबर की तिथि निर्धारित करने के बाद से प्रवेश प्रक्रिया को गति दी गई है। कॉलेज से मिली जानकारी के अनुसार बीए में 560 सीटों के सापेक्ष अब तक 400 प्रवेश हो चुके हैं। इसी तरह बायो ग्रुप में 60 के सापेक्ष 46, गणित वर्ग में 60 के सापेक्ष 27 और वाणिज्य में 60 सीटों के सापेक्ष 45 प्रवेश दिए जा चुके है। इसी के साथ स्नातकोत्तर कक्षाओं में भी प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो जाने से कॉलेज में प्रवेश समितियां नियमित रूप से कार्य में जुट गई है। डोईवाला महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ देवेश प्रसाद भट्ट ने बताया कि स्नातक प्रथम सेमेस्टर में सात सितंबर तक प्रवेश दिए जाएंगे। उन्होंने छात्र-छात्राओं से निर्धारित समय सीमा के अंदर प्रवेश लेने को कहा है, ताकि बाद में किसी प्रकार की असुविधा न उठानी पड़ी।

विधायक ने की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष से मुलाकात

ऋषिकेश। विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने देहरादून में पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तीरथ सिंह रावत से शिष्टाचार भेंट की। अग्रवाल ने कहा कि तीरथ सिंह रावत का संगठन एवं जनसेवा के क्षेत्र में दीर्घ अनुभव पार्टी के लिए सदैव महत्वपूर्ण रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर नई जिम्मेदारी मिलने से उनके अनुभव और नेतृत्व क्षमता का लाभ संगठन को मिलेगा। उन्होंने कहा कि तीरथ सिंह रावत के कुशल मार्गदर्शन में पार्टी संगठन और अधिक सशक्त होगा और राष्ट्रसेवा के संकल्प को नई गति मिलेगी।

योग से आत्म-बोध और तनाव प्रबंधन का दिया संदेश

गोपेश्वर। श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय परिसर, गोपेश्वर के बीएड विभाग में बीएड द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम ईपीसी-चार ह्यअंडरस्टैंडिंग द सेल्फह्ल के तहत दो दिवसीय योग कार्यशाला आयोजित की गई। 2 और 3 सितंबर को जिम हॉल में आयोजित कार्यशाला में छात्र-छात्राओं को आत्म बोध और तनाव प्रबंधन का संदेश दिया गया। मुख्य योग प्रशिक्षिका संगीता नेगी ने प्रशिक्षुओं को विभिन्न योगासनों, सूर्य नमस्कार और प्राणायाम का व्यावहारिक अभ्यास कराया। उन्होंने योग की सही विधि, शारीरिक-मानसिक लाभ और सावधानियों की जानकारी दी। ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, धनुरासन, वज्रासन व शवासन सहित विभिन्न आसनों तथा अनुलोम-विलोम, कपालभाति और भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास कराया गया।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले से जुड़ा होटल होगा सील

ऋषिकेश। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले से जुड़े होटल को अब सील करने की कार्रवाई की तैयारी है। मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) की टीम के निरीक्षण में होटल के निर्माण में स्वीकृत मानचित्र और निर्धारित मानकों के उल्लंघन की पुष्टि हुई है। निरीक्षण के दौरान होटल में स्वीकृत नक्शे के विपरीत कई निर्माण कार्य पाए गए। वहीं जिस स्थान को पार्किंग के लिए स्वीकृत किया गया था, वहां भी निर्माण किए जाने की बात सामने आई है। बुधवार को एमडीडीए की टीम ने होटल के पूरे परिसर का निरीक्षण कर मौके पर किए गए निर्माण का स्वीकृत नक्शे से मिलान किया।

अहमदाबाद की धनगौरी बरोलिया ने सीएम धामी को भावुक पत्र के साथ भेजी राखी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : रक्षाबंधन के अवसर पर अहमदाबाद की धनगौरी बरोलिया ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को राखी भेजी है। इसके साथ उन्होंने मुख्यमंत्री को एक भावुक पत्र भी लिखा है। पत्र में उन्होंने पिछले वर्ष धराली में आई आपदा के दौरान मुख्यमंत्री से हुई मुलाकात को याद किया है।

धनगौरी ने बताया कि पिछले वर्ष रक्षाबंधन के समय वह उत्तराखंड आई थीं। इसी दौरान धराली में आई बाढ़ में वह फंस गई थीं। मुख्यमंत्री धामी जब आपदा प्रभावित क्षेत्र का दौरा करने पहुंचे और वहां फंसे लोगों से मिले, तब उन्हें भी मुख्यमंत्री से मिलने का मौका मिला। धनगौरी ने बताया कि उस समय रक्षाबंधन करीब था। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा था कि अगर उनके पास राखी हो तो वह उन्हें राखी बांध सकती हैं। उस समय उनके पास राखी नहीं थी। उन्होंने अपने दुपट्टे का एक छोटा सा टुकड़ा फाड़कर उसे ही राखी मानकर मुख्यमंत्री की कलाई पर बांध दिया। धनगौरी ने अपने पत्र में लिखा कि उसी दिन उन्होंने मुख्यमंत्री धामी को अपना धर्म भाई मान लिया

था। उनके लिए वह मुलाकात आज भी बहुत खास है और उस पल को वह कभी नहीं भूल सकतीं। उन्होंने कहा कि धराली की उस मुश्किल घड़ी में मुख्यमंत्री धामी ने वहां फंसे लोगों का हौसला बढ़ाया और उन्हें भरोसा दिया। धनगौरी ने भगवान श्रीकृष्ण और द्रौपदी के प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस तरह श्रीकृष्ण द्रौपदी की मदद के लिए आगे आए थे, उसी तरह मुख्यमंत्री भी उस कठिन समय में उनके लिए सहारा बने। धनगौरी ने कहा कि इस वर्ष वह अहमदाबाद में हैं, लेकिन रक्षाबंधन पर अपने भाई को राखी भेजना वह नहीं भूल सकतीं। इसी भाव के साथ उन्होंने मुख्यमंत्री धामी के लिए राखी भेजी है। पत्र के अंत में उन्होंने मुख्यमंत्री के स्वस्थ और दीर्घायु रहने की कामना की और कहा कि वह इसी तरह उत्तराखंड और प्रदेश की जनता की सेवा करते रहें। धराली की आपदा के दौरान दुपट्टे के टुकड़े से शुरू हुआ यह भाई-बहन का रिश्ता आज भी धनगौरी के लिए उतना ही खास है।

श्रीनंदा देवी राजजात में शामिल होने के लिए समितियों के आने लगे आवेदन

कर्णप्रयाग। हिमालीय महाकुंभ श्री नंदा देवी राजजात 2027 में शामिल होने वाली देव डोलियों और छंतोलियों के आवेदन अभी से समिति को मिलने लगे हैं। इसमें गढ़वाल और कुमाऊं की समितियों के पत्र शामिल हैं।

नौटी-कांसुवा से शुरू होने वाली श्रीनंदा देवी राजजात के आयोजन की मनौती बीते वसंत पंचमी को नौटी में हुई थी। इसमें राजकुंवरों ने 12 वर्ष बाद होने वाली श्रीनंदा देवी राजजात को अगस्त-सितंबर 2027 करने की घोषणा की। अब राजजात में शामिल होने वाली समितियों ने श्रीनंदा देवी राजजात समिति को पत्र सौंपने शुरू कर दिए हैं। समिति के महामंत्री भुवन नौटियाल ने बताया कि सीमांत क्षेत्र की विभिन्न मंदिर समितियों ने चमोली व नैनीताल जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर अपनी स्थिति साफ कर दी है। मंदिर समिति लाता और दशोलीगढ़ दशमद्वार कालीमठ समिति कोट-कंडारा ने स्पष्ट किया कि उनकी डोलियां मुख्य राजजात में ही शामिल होंगी। वहीं पूजा समिति रविग्राम (ज्योतिर्मठ) की बदरीश छतोली, कल्प क्षेत्र भर्की-भेंटा (उर्गम) की छंतोली तथा श्री राम सेवक सभा मल्लीताल (नैनीताल) ने वर्ष 2027 की राजजात में अपनी सहभागिता का प्रस्ताव रखा। इसके साथ ही लाता मंदिर समिति ने यात्रा मार्ग के सुचारु संचालन के लिए भूमियाल देवता रास्ता, भोग मंडी, दाणु व काली माता मंदिर मार्ग के सौंदर्यीकरण के लिए कुल 39 लाख रुपये की विकास कार्ययोजनाओं को वित्तीय स्वीकृति देने का आग्रह किया।

गंगोत्री ग्लेशियर क्षेत्र में दिखाई देने वाली हिमनदीय झीलों से बड़े खतरे की स्थिति नहीं : वाडिया

मीडिया में प्रसारित खबरों के संबंध में यूएसडीएमए ने वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान से मांगी स्थिति की जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : गंगोत्री ग्लेशियर क्षेत्र में कुछ छोटी हिमनदीय झीलों के दिखाई देने तथा इनके कारण संभावित खतरे से संबंधित खबरें विभिन्न मीडिया माध्यमों में प्रसारित हो रही थीं। इन खबरों के संदर्भ में उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान, देहरादून से इस संबंध में वैज्ञानिक स्थिति एवं वर्तमान परिस्थितियों की जानकारी प्राप्त की गई। वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान की ओर से ई-मेल के माध्यम से उपलब्ध नवीनतम उपग्रह चित्रों, क्षेत्रीय अवलोकनों तथा ग्लेशियर की भौगोलिक एवं जलवैज्ञानिक परिस्थितियों के आधार पर स्थिति स्पष्ट की गई है। वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान के अनुसार उपलब्ध सेटेलाइट इमेज, क्षेत्रीय अवलोकनों तथा ग्लेशियर की भौगोलिक एवं जलवैज्ञानिक परिस्थितियों के आधार पर यह स्पष्ट किया जाता है कि इस क्षेत्र में देखी जाने वाली अधिकांश छोटी ग्लेशियल झीलें अस्थायी प्रकृति की हैं तथा इनमें जल की मात्रा बहुत कम होती

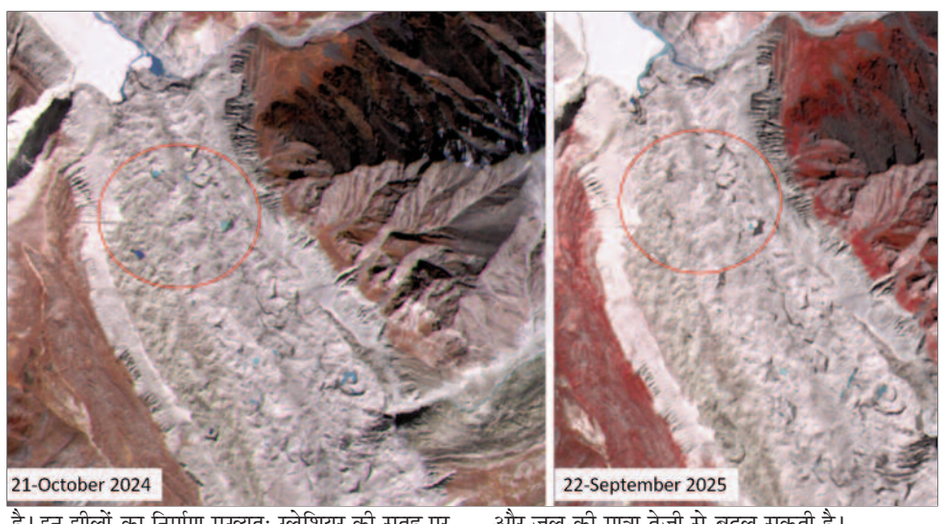

है। इन झीलों का निर्माण मुख्यतः ग्लेशियर की सतह पर बर्फ के पिघलने से बने छोटे-छोटे अवसादों में जल के अस्थायी रूप से एकत्रित होने के कारण होता है। तापमान, हिमपिघलन, वर्षा तथा ग्लेशियर की सतह की परिस्थितियों में परिवर्तन के साथ इन झीलों का आकार और जल की मात्रा तेजी से बदल सकती है। परिणामस्वरूप, ये झीलें कुछ समय के लिए दिखाई देती हैं और बाद में जल के निकास, बर्फ के पुनः जमने अथवा सतही परिवर्तन के कारण स्वतः समाप्त हो जाती हैं। गंगोत्री ग्लेशियर क्षेत्र में देखी गई इन झीलों का आकार अपेक्षाकृत छोटा तथा जल आयतन बहुत कम है। इनमें सामान्यतः बड़े हिमनदीय झीलों की तरह विशाल मात्रा में जल संचित होने की क्षमता नहीं होती। इसलिए वर्तमान उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर इन छोटी सुप्राग्लेशियल झीलों से अचानक बड़े पैमाने पर बाढ़ अथवा ग्लेशियर लेक आउटबर्स्ट फ्लड जैसी किसी गंभीर आपदा का तत्काल खतरा नहीं पाया गया है। यह भी स्पष्ट करना आवश्यक है कि सभी जल निकायों को एक ही श्रेणी में रखना उचित नहीं है।

किसी हिमनदीय झील के संभावित खतरे का आंकलन केवल उसके अस्तित्व के आधार पर नहीं, बल्कि उसके आकार, जल आयतन, जल संचयन की प्रकृति, बांध, हिमनदीय संरचना, संभावित निकासी मार्ग तथा आसपास की भौगोलिक परिस्थितियों के समग्र अध्ययन के आधार पर किया जाता है। यह भी महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक हिमनदीय झील की प्रकृति, भौगोलिक स्थिति, जलग्रहण क्षेत्र, हिमनदीय परिस्थितियों तथा स्थानीय भू-आकृतिक विशेषताएं अलग-अलग होती हैं। प्रत्येक झील के संभावित जोखिम का आंकलन उसके स्थानीय भौगोलिक, हिमनदीय एवं जलवैज्ञानिक परिस्थितियों के आधार पर पृथक रूप से किया जाना आवश्यक होता है।

मुख्य सचिव ने की बैठक, कहा-रोपवे परियोजनाओं में तेजी लाएं

देहरादून : प्रदेश में रोपवे परियोजनाओं के संचालन के लिए शीघ्र ही नियम बनाए जाएंगे। इसके लिए मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने ब्रिडकुल को रोपवे के लिए नियम व अधिनियम जारी करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा केदारनाथ, हेमकुंड साहिब रोपवे परियोजना में समन्वय बनाने के लिए नोडल अधिकारी नामित किए जाएंगे।

मुख्य सचिव ने बुधवार को प्रदेश में संचालित व प्रस्तावित रोपवे परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए लंबित प्रक्रियाओं, भूमि संबंधी प्रकरणों को आपसी समन्वय व प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, पर्वतीय क्षेत्रों में रोपवे कनेक्टिविटी प्रदेश की पर्यटन व यातायात व्यवस्था को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

सभी परियोजनाओं में समयबद्धता, गुणवत्ता व आपसी समन्वय पर विशेष ध्यान देते हुए उन्हें धरातल पर उतारने की दिशा में तेजी से कार्य किया जाए। रोपवे परियोजनाओं में पार्किंग सुविधा को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए, जिससे पर्यटकों व स्थानीय लोगों को बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध हो सके।

विकासनगर: खतरे के निशान पर पहुंची यमुना नदी

विकासनगर। पहाड़ी क्षेत्रों और पछवादून में लगातार हो रही भारी बारिश से यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान तक पहुंच गया है। वहीं, पत्थर, मिट्टी और मलबा गिरने से छह मोटर मार्ग बंद होने के कारण लोगों को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।दो दिनों से पहाड़ी क्षेत्रों व पछवादून में हो रही भारी बारिश से मंगलवार को यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान पर पहुंच गया। नदी में पानी बढ़ने के साथ ही तहसील प्रशासन ने बाढ़ चौकियों को सतर्क कर दिया। उधर टौंस नदी में अभी जलस्तर सामान्य है। इसके अतिरिक्त पछवादून व जौनसार बावर क्षेत्र में पहाड़ों से पत्थर, मिट्टी व मलबा गिरने के कारण छह मोटर मार्गों पर यातायात ठप रहा।क्षेत्र में हो रही भारी बारिश के कारण यमुना नदी में पानी का स्तर बढ़ गया है। बताते चलें यमुना नदी में खतरे का स्तर 455.37 मीटर पर है, जबकि फिलहाल नदी में पानी खतरे के स्तर 455.37 मीटर पर पानी बह रहा है। डाकपत्थर बैराज से 368.36 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इसके अलावा टौंस नदी में खतरे का स्तर 644.75 मीटर पर है और नदी में 644.65 मीटर पर पानी बह रहा है। नदी पर बने इच्छाड़ी बांध से 261.91 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज किया गया है।

सड़क बाधित होने से स्कूल नहीं पहुंची शिक्षिकाएं

यमकेश्वर। शासन के निर्देश हैं कि शिक्षक विद्यालय से अधिकतम आठ किलोमीटर के दायरे में निवास करें, ताकि किसी भी परिस्थिति में स्कूल पहुंचने में देरी न हो। इसके बावजूद यमकेश्वर ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय बिंजाखेत में बुधवार को दोनों शिक्षिकाएं विद्यालय नहीं पहुंच सकीं। दोनों करीब 35 किमी दूर ऋषिकेश से स्कूल आती-जाती हैं। सड़क बाधित होने के कारण 15 छात्र-छात्राओं की पढ़ाई और विद्यालय का संचालन विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्ष के भरोसे रहा। इससे शिक्षक आवासीय व्यवस्था और दूरदराज के विद्यालयों की निगरानी पर सवाल उठे हैं। बुधवार को लक्ष्मण झूला-कांडी मोटर मार्ग फूलचट्टी के पास बाधित रहा। दोपहर 12 बजे तक मार्ग नहीं खुलने पर ऋषिकेश और देहरादून से आने वाले कई शिक्षक आधे रास्ते से लौट गए। इस दौरान व्हाट्सएप ग्रुप में किसी ने बीमारी, किसी ने आकस्मिक अवकाश तो किसी ने अन्य कारण बताते हुए छुट्टी की सूचना भेजी। बिंजाखेत की सहायक अध्यापिका ने सुबह 10:30 बजे प्रधानाध्यापिका को व्हाट्सएप पर छुट्टी की सूचना दी, जबकि प्रधानाध्यापिका ने दोपहर 12 बजे स्वास्थ्य खराब होने का हवाला देते हुए उच्चाधिकारियों को जानकारी दी।

उत्तराखंड: अब बिजली चोरी, मीटर तोड़ने पर एक लाख तक का जुर्माना

देहरादून : उत्तराखंड में बिजली चोरी करने और मीटर या यूपीसीएल की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों पर अब पहले से ज्यादा सख्ती होगी। विद्युत नियामक आयोग ने जन विश्वास अधिनियम लागू करते हुए ऐसे मामलों में जुर्माने की सीमा बढ़ाकर एक लाख रुपये तक कर दी है। उत्तराखंड में अब बिजली चोरी, मीटर तोड़ने, यूपीसीएल की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों पर एक लाख रुपये तक का जुर्माना लगेगा। केंद्र सरकार के जन विश्वास अधिनियम को उत्तराखंड विद्युत नियामक आयोग ने राज्य में भी लागू कर दिया है। इसके तहत कई अहम बदलाव लागू किए गए हैं। इस अधिनियम के तहत विद्युत

आपूर्ति से जुड़ी सामग्री को लापरवाही से तोड़ने या नुकसान पहुंचाने, बिजली चोरी पर (धारा 139 के तहत) अब 5,000 रुपये से लेकर एक लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। दोबारा दोषी पाए जाने पर भी यही जुर्माना लागू होगा। पहले ये 10 हजार रुपये तक था। धारा 146 में भी संशोधन किया गया

आयोग की ओर से जारी आदेशों या निर्देशों का पालन न करने पर धारा 142 के तहत जुर्माना बढ़ाकर 10,000 रुपये से पांच लाख रुपये तक कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, अन्य मामलों में यह जुर्माना 1,000 रुपये से 10,000 रुपये के बीच हो सकता है। यह जुर्माना सभी हितधारकों पर लागू होगा। इसमें धारा 146 में भी संशोधन किया गया है।

डेंगू की रोकथाम को नगर निगम ने तेज किया अभियान, शहर में फागिंग शुरू

कोटद्वार के बदरीनाथ मार्ग पर फागिंग करती नगर निगम की टीम।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शहर में बढ़ते डेंगू के मामलों को देखते हुए नगर निगम ने रोकथाम के लिए अभियान तेज कर दिया है। बुधवार को नगर निगम की टीमों ने शहर के प्रमुख मार्गों और संवेदनशील क्षेत्रों में फागिंग की। इस दौरान लोगों को डेंगू से बचाव के उपायों की जानकारी देकर जागरूक भी किया गया। पिछले कुछ दिनों में डेंगू के मामलों में बढ़ोत्तरी सामने आने के बाद सरकारी तंत्र की चिंता बढ़ गई है। बेस अस्पताल में बीते दो दिनों के भीतर तीन मरीजों में डेंगू की पुष्टि हुई है। स्थिति को देखते हुए मंगलवार को उपजिलाधिकारी संदीप कुमार ने नगर निगम समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने नगर निगम को नियमित फागिंग कराने और लोगों को डेंगू से बचाव के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। निर्देश मिलने के बाद नगर निगम ने अभियान के लिए विशेष टीमें गठित कर दी हैं। बुधवार से कोटद्वार नगर क्षेत्र के साथ ही भाबर इलाके में भी फागिंग और जागरूकता अभियान शुरू कर दिया गया। निगम की टीमें प्रमुख मार्गों के अलावा उन स्थानों पर भी फागिंग कर रही हैं, जहां मच्छरों के पनपने की आशंका अधिक है। उपजिलाधिकारी संदीप कुमार ने कहा कि बारिश के मौसम में डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़ने की संभावना रहती है। ऐसे में बीमारी की रोकथाम के लिए प्रशासन के साथ आमजन की भागीदारी भी जरूरी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने घरों और आसपास बारिश का पानी जमा न होने दें। कूलर, गमले, पुराने बर्तन और अन्य ऐसे स्थानों की नियमित सफाई करें, जहां पानी ठहर सकता है।

पुरानी कार्यकारिणी भंग, नई रामलीला कमेटी का गठन

कोटद्वार : गढ़ श्री रामलीला कमेटी की बैठक में पुरानी कार्यकारिणी को भंग कर नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से दिनेश जुयाल को कमेटी का अध्यक्ष चुना गया। बैठक में आगामी छः अक्टूबर से रामलीला मंचन शुरू करने का निर्णय लिया गया। रामलीला मंचन को सफल बनाने के लिए गठित नई कार्यकारिणी में दिनेश जुयाल को अध्यक्ष, सुशील काला को कार्यकारी अध्यक्ष, संदीप नैनवाल को उपाध्यक्ष, चंद्रमोहन बिष्ट को कोषाध्यक्ष, रोहित अग्रवाल को महामंत्री और संजय नेगी को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा जानकी प्रसाद द्विवेदी, शशि अमोली, ओमप्रकाश कंडवाल और विजय रावत को संरक्षक बनाया गया है। रामलीला के मंच संचालन की जिम्मेदारी आशा राम और संगीता गुप्ता को दी गई। कार्यकारिणी में संतोष बिष्ट, संजय ममगाईं, मदन नेगी, गौरव कश्यप और करम चंद्र को सदस्य बनाया गया है। बैठक में पदाधिकारियों ने रामलीला मंचन को भव्य और व्यवस्थित बनाने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्णय लिया।

चौदह दिन बाद स्टेशन रोड पर लौटी रौनक, खुली दुकानें

कोटद्वार में स्टेशन रोड पर 14 दिन बाद खुले दुकानों के शटर।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रेलवे स्टेशन के सामने स्टेशन रोड पर पिछले 14 दिनों से बंद चल रही दुकानों के शटर बुधवार को फिर उठ गए। शासन स्तर से व्यापारियों को सकारात्मक आश्वासन मिलने के बाद उन्होंने अपने प्रतिष्ठान खोल दिए। दुकानों के खुलने से स्टेशन रोड पर एक बार फिर चहल-पहल नजर आई।

रेलवे स्टेशन के जीर्णोद्धार के बाद स्टेशन के सामने संचालित 59 दुकानों को हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। इसी क्रम में लोक निर्माण विभाग की ओर से संबंधित व्यापारियों को नोटिस जारी किए गए। नोटिस मिलने के बाद व्यापारियों ने दुकानें बंद कर स्टेशन रोड पर धरना शुरू कर दिया था। व्यापारियों की मांग थी कि दुकानों को हटाने से पहले उन्हें उचित स्थान पर विस्थापित किया जाए। व्यापारियों के आंदोलन को व्यापार मंडल ने भी समर्थन दिया। इसके तहत व्यापार मंडल की ओर से एक दिन का बाजार बंद कराया गया। बाद में व्यापार मंडल के प्रदेश महामंत्री प्रकाश मिश्रा कोटद्वार पहुंचे और आंदोलनरत व्यापारियों से मुलाकात कर उन्हें समर्थन दिया। नगर व्यापार मंडल के सचिव नवीन गोयल ने बताया कि व्यापारियों की समस्या को लेकर प्रदेश अध्यक्ष नवीन वर्मा ने मुख्यमंत्री से वार्ता की। मुख्यमंत्री की ओर से मामले में सकारात्मक निर्णय लिए जाने का आश्वासन दिया गया है। इसके बाद व्यापारियों ने बुधवार से अपने प्रतिष्ठान खोलने का निर्णय लिया।

संक्षिप्त समाचार

भाषण प्रतियोगिता में अक्षिता ध्यानी ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : टूरिस्ट फाउंडेशन की ओर से ज्ञान भारती पब्लिक स्कूल में सुखरो जोन के माध्यमिक विद्यालयों की भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में क्षेत्र के 11 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।'भारत को समृद्ध बनाने के लिए संस्कारयुक्त, नशामुक्त समाज' विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में ज्ञान भारती पब्लिक स्कूल की छात्रा अक्षिता ध्यानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अनुष्का द्वितीय और नैंसी तृतीय स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता के दौरान वक्ताओं ने विद्यार्थियों को संस्कारयुक्त जीवन अपनाने और नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। आयोजकों ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरूकता बढ़ती है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक अजयपाल सिंह रावत, शंकरदत्त गौड़, चित्रमणि देवलियाल, जनार्दन प्रसाद ध्यानी और इंद्रमणि देवरानी मौजूद रहे।

बजट के अभाव में व्यापार भवन व धर्मशाला अधर

बड़कोट। व्यापारियों और आम लोगों की सुविधा के लिए बनाया गया व्यापार भवन वर्षों बाद भी उपयोग में नहीं आ पा रहा है। वहीं, पर्याप्त बजट के अभाव में धर्मशाला का निर्माण भी अधूरा पड़ा है। लाखों की लागत से तैयार दो मंजिला व्यापार भवन देखरेख के अभाव में धीरे-धीरे जर्जर होने की स्थिति में पहुंच रहा है।

नगर पालिका परिषद क्षेत्र में व्यापारियों के सामूहिक सहयोग और विभिन्न मदों से व्यापार भवन का निर्माण कराया गया था। भवन तैयार होने के बाद उम्मीद थी कि व्यापार मंडल की बैठकें, राष्ट्रीय पर्वों के कार्यक्रम और अन्य सामाजिक गतिविधियां यहां आयोजित होंगी लेकिन वर्षों बाद भी भवन का अपेक्षित उपयोग शुरू नहीं हो सका है। व्यापारियों की सबसे बड़ी परेशानी यह है कि राष्ट्रीय पर्वों पर भी उन्हें हाईवे किनारे कार्यक्रम आयोजित कर राष्ट्रीय ध्वज फहराना पड़ता है जबकि उनका अपना भवन मौजूद है।

वहीं, धर्मशाला का निर्माण पूरा होने से यमुनोत्री धाम आने वाले तीर्थयात्रियों और जरूरतमंद लोगों को भी सुविधा मिलेगी। व्यापारियों ने अधूरे निर्माण के लिए बजट जारी करने और भवन को जल्द व्यवस्थित करने की मांग की है। वहीं, व्यापार मंडल अध्यक्ष धनवीर सिंह रावत ने बताया कि भवन और धर्मशाला का निर्माण पूरा कराने के लिए मुख्यमंत्री से भी गुहार लगाई गई है।

लंबित विवेचनाओं और शिकायतों का जल्द निस्तारण करें : एसएसपी

नई टिहरी। एसएसपी श्वेता चौबे ने आदेश कक्ष में चंबा सर्किल के चार पुलिस थानों में लंबित विवेचनाओं और शिकायतों की समीक्षा की। थाना प्रभारियों को लंबित विवेचनाओं, शिकायती प्रार्थना पत्रों, और सीएम हेल्पलाइन की जांचों का समयबद्धता के साथ निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जमानती और गैर जमानती वारंटों को भी समय से तामील कराना सुनिश्चित करें।

आदेश कक्ष में कोतवाली चंबा, कैंपटी, थाना छाम और थत्यूड़ थाने में लंबित विवेचनाओं, अधूरे प्रकरण, पुनर्विवेचनाओं, राजस्व संबंधी मामलों, शिकायती प्रार्थना पत्रों, सीएम हेल्प लाइन की जांच त्वरित और गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारण करने को कहा गया। एसएसपी ने कहा कि लंबित विवेचनाओं और शिकायती प्रार्थना पत्रों के निस्तारण में अनावश्यक विलंब न करें। विवेचनाओं की गुणवत्ता, साक्ष्यों के संकलन और पीड़ित/ शिकायतकर्ता की समस्याओं के समाधान पर विशेष ध्यान देना सुनिश्चित करें। बैठक में एएसपी दीपक सिंह, सीओ चंबा महेश लखेड़ा और प्रवींद्र सिंह रावत आदि मौजूद थे।

कांग्रेसियों ने फूंका सीएम का पुतला

पोखरी (चमोली)। हल्द्वानी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यक्रम के बाद कथित मंच के शुद्धीकरण मामले में कार्रवाई नहीं होने से नाराज युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री का पुतला फूंककर विरोध जताया। कार्यकर्ताओं ने सरकार से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। युवा कांग्रेस अध्यक्ष सूर्य प्रकाश पुरोहित के नेतृत्व में कार्यकर्ता गोपेश्वर बस स्टेशन तिराहे पर एकत्रित हुए और सरकार का पुतला दहन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अतिक्रमण से शहर की व्यवस्था बदहाल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शहर में बढ़ते अतिक्रमण और बदहाल सड़कों समेत विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर नागरिक मंच की बैठक में रोष जताया गया। वक्ताओं ने कहा कि मुख्य मार्गों और गलियों में जगह-जगह अतिक्रमण होने से यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है और आए दिन जाम की स्थिति बन रही है। उन्होंने शासन-प्रशासन से अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई करने की मांग की। नगर व्यापार मंडल सभागार में आयोजित बैठक में शहर की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि अतिक्रमण के कारण शहर की व्यवस्था लगातार बिगड़ती जा रही है। प्रशासन को अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने के साथ ही अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए। राष्ट्रीय राजमार्ग और लोक निर्माण विभाग की सड़कों पर बने गड्ढों को लेकर भी सदस्यों ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि सड़कों की बदहाली के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। लोगों की सुरक्षा को देखते हुए क्षतिग्रस्त सड़कों की जल्द मरम्मत कराई जानी चाहिए। बैठक में राजकीय चिकित्सालयों में भर्ती होने वाले गोल्डन कार्ड धारकों के लिए अलग

आयोजित बैठक में भाग लेते मंच के सदस्य

कक्ष उपलब्ध कराने, नार्थ कार्बेट रिसोर्ट की व्यवस्थाओं में सुधार, मोटर नगर बस अड्डे का निर्माण, वन्यजीवों को आबादी क्षेत्र में आने से रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने और क्षेत्र में रेल सेवाओं के विस्तार की मांग की गई। इसके अलावा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू करने, कण्वाश्रम का समग्र विकास करने और क्षेत्र में पीजीआई की स्थापना किए जाने की मांग भी उठाई गई। वक्ताओं ने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान के लिए केवल आश्वासन देने के बजाय शासन और प्रशासन को धरातल पर ठोस कार्रवाई करनी होगी। बैठक में नागरिक मंच के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश नैथानी, हर्षवर्द्धन ध्यानी, प्रवेश चंद्र नवानी, राजेंद्र पंत, केसीराम निराला, हरीश कुंडलिया, सुरेश मधवाल, सुनील कुमार कोटनाला, सूर्यनारायण पांडे और एसएन नौटियाल मौजूद रहे।

अठाली व गंगोरी की टीम ने मारी बाजी

उत्तरकाशी। राजकीय कीर्ति इंटर कॉलेज में बुधवार को विद्यालयी विकासखंड स्तरीय वॉलीबॉल, कबड्डी और खो-खो प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

बुधवार को प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शैलेंद्र अमोली ने किया। पहले दिन कबड्डी अंडर-17 बालिका वर्ग में राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अठाली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राजकीय इंटर कॉलेज जोशियाड़ा को 20-08 से हराकर खिताब अपने नाम किया। अंडर-19 बालिका कबड्डी के फाइनल में गोस्वामी गणेश दत्त इंटर कॉलेज ने बालिका इंटर कॉलेज उत्तरकाशी को 21-08 से पराजित किया।

खो-खो अंडर-17 बालिका वर्ग के रोमांचक फाइनल में कीर्ति इंटर कॉलेज उत्तरकाशी ने राजकीय इंटर कॉलेज मुस्टिकसौड़ को 07-06 से हराया। वहीं, वॉलीबॉल अंडर-19 बालक वर्ग में राजकीय इंटर कॉलेज गंगोरी विजेता रहा। गंगोरी ने फाइनल मुकाबले में राजकीय इंटर कॉलेज जोशियाड़ा को 21-17 से मात दी।

इस मौके पर प्रधानाचार्य प्रवीण कुमार शाह, जिला खेल समन्वयक उत्तम नेगी, ब्लॉक खेल समन्वयक गिरीश असवाल, शूरवीर मतौलिया, महावीर कलूड़ा, अजय नौटियाल, सोबन सिंह, जितेंद्र, महेश उनियाल, महावीर राणा आदि मौजूद रहे।

ग्रामीणों और प्रशासन से बीच वार्ता रही विफल

चिन्यालीसौड़। भल्डगांव में विस्थापन और पुनर्वास की मांग को लेकर ग्रामीणों का धरना 23वें दिन भी जारी रहा। धरना स्थल पर पहुंचे एसडीएम देवानंद शर्मा और तहसीलदार जब्बर सिंह असवाल ने सुरक्षा कारणों से ग्रामीणों से धरना समाप्त करने व इसे सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने को कहा। ग्रामीणों ने प्रशासन के प्रस्ताव को सिरे से नकारते हुए आंदोलन जारी रखने का एलान किया।

बुधवार को प्रशासन के अधिकारियों और ग्रामीणों के बीच काफी देर तक वार्ता हुई लेकिन मांगों को लेकर सहमति नहीं बन सकी। ग्रामीणों का कहना है कि विस्थापन और पुनर्वास की मांग लंबे समय से लंबित है। कई बार आश्वासन मिलने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। ऐसे में अब केवल आश्वासन के आधार पर धरना खत्म नहीं किया जाएगा।

ग्रामीणों ने धरना स्थल बदलने से भी स्पष्ट इनकार कर दिया। आंदोलनकारियों ने पूर्व में लिए गए जल समाधि के निर्णय पर कायम रहने की बात दोहराई। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं होता, आंदोलन जारी रहेगा। वार्ता विफल होने के बाद ग्रामीण धरना स्थल पर डटे रहे। इस मौके पर गोपीनाथ सिंह रावत, सागर भंडारी, कमलू लाल, कमल लाल, दीपक, जगदीश प्रसाद, वीरू लाल, बुद्धि लाल, राहुल, सुंदर मणि नौटियाल, विमला देवी, सुमति देवी, जूरी देवी, प्यारी देवी आदि मौजूद रहीं।

राज्य आंदोलन के शहीदों को कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जिला एवं महानगर कांग्रेस कमेटी की ओर से राज्य निर्माण आंदोलन में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले आंदोलनकारियों की स्मृति में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान खटीमा और मसूरी गोलीकांड में बलिदान हुए राज्य आंदोलनकारियों को नमन किया गया।

महानगर कांग्रेस कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने खटीमा और मसूरी गोलीकांड में बलिदान हुए आंदोलनकारियों के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों के संघर्ष, त्याग और बलिदान का परिणाम है। आंदोलनकारियों ने जिस उत्तराखंड का सपना देखा था, उसे बेहतर और आत्मनिर्भर बनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश को रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने के साथ शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने तथा पलायन की समस्या पर प्रभावी तरीके से रोक लगाने की दिशा में काम किया जाना जरूरी है। राज्य आंदोलन में बलिदान देने वाले आंदोलनकारियों

आंदोलनकारियों को श्रद्धंजलि देते कांग्रेसी

का इतिहास उत्तराखंड की अमिट धरोहर है, जिसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष मीना बछुवाण, संजय मित्तल, प्रवीण रावत, धीरेंद्र बिष्ट, डॉ. चंद्रमोहन खर्कवाल, गणेश नेगी, विजय रावत, शूरवीर खेतवाल, बृजपाल सिंह नेगी, देवेंद्र सिंह नेगी, राजीव कपूर, जानकी बुडाकोटी, लक्ष्मी देवी, शहनाज शम्सी, प्रीति देवी, सुमित रावत, धर्मेंद्र रावत, मदन सिंह रावत, राकेश शर्मा और हेमचंद्र पंवार मौजूद रहे।

मांगों को लेकर फार्मासिस्टों ने काली पट्टी बांधकर किया काम

उत्तरकाशी। स्वास्थ्य उपकेंद्रों में फार्मेसी अधिकारियों के 391 पदों की बहाली समेत पांच सूत्रीय मांगों को लेकर डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने चरणबद्ध आंदोलन शुरू कर दिया है। आंदोलन के दूसरे दिन बुधवार को जिलेभर के फार्मेसी अधिकारियों ने बांह पर काली पट्टी बांधकर ड्यूटी करते हुए विरोध दर्ज कराया। संगठन के जिलाध्यक्ष अजय जोशी ने कहा कि पांच सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन के प्रथम चरण में जिले के सभी जनप्रतिनिधियों और उच्च अधिकारियों को ज्ञापन भेजकर मांगों से अवगत कराया गया। दूसरे चरण में एक सितंबर से 15 सितंबर तक सभी फार्मेसी अधिकारी बांह पर काला फीता लगाकर अपने कार्यस्थल पर नियमित कार्य करते हुए विरोध जारी रखेंगे। कहा कि 15 सितंबर तक मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नही हुई तो प्रांतीय कार्यकारिणी के निर्देश पर आंदोलन को तीसरे चरण में आगे बढ़ाया जाएगा। इस मौके पर जिलाध्यक्ष अजय जोशी, सचिव जेपी मटवान, , अनिल पुरी, दिनेश भट्ट, गौतम राणा, मुकेश कुमार, गीता नेगी आदि मौजूद रहीं।

26 मदरसों को मुख्यमंत्री धामी ने प्रदान किए मान्यता प्रमाण-पत्र

आधुनिक शिक्षा से ही बच्चों का भविष्य बनेगा उज्ज्वल

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को आईआरडीटी सभागार, देहरादून में उत्तराखण्ड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण द्वारा आयोजित अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान मान्यता प्रमाण-पत्र वितरण समारोह में प्रदेश के 26 अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों (मदरसों) को मान्यता प्रमाण-पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम की थीम ह्नई पहचान, नया सम्मान। आधुनिक शिक्षा से उज्ज्वल भविष्यह्व रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्पसंख्यक शिक्षा के क्षेत्र में प्राधिकरण बनाए जाने के पीछे मूल उद्देश्य यही है कि सभी बच्चे आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जुड़ें और उन्हें अपने व्यक्तित्व तथा भविष्य के निर्माण के लिए पर्याप्त अवसर प्राप्त हों। उन्होंने कहा कि बच्चों को ऐसी शिक्षा मिलनी चाहिए, जिससे उनका व्यक्तित्व विकसित हो, उनकी प्रतिभा सामने आए और वे अपने भविष्य का निर्माण कर सकें।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण द्वारा 26 शिक्षण संस्थानों को मान्यता प्रदान किया जाना अल्पसंख्यक शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक शुरुआत है। कहा कि राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नवाचार किए जा रहे हैं और यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने मान्यता प्राप्त करने वाले सभी संस्थानों के प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करना समाज और राष्ट्र के भविष्य निर्माण से जुड़ी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने देहरादून जनपद के मदरसा जामिया इस्लामिया, जूनियर हाईस्कूल, डॉटरगंज,

विकासनगर, जामिया दारूल उलूम रमजानिया, ढकरानी, विकासनगर, जामिया सबीलुर्रशाद, जूनियर हाईस्कूल, उस्मानपुर, ढ़ाकी, सहसपुर, जामिया सय्यिदा फातिमातुज्जाहरा, जूनियर हाईस्कूल, ग्राम एवं पोस्ट-सहसपुर (जोल बस्ती), जामिया रहीमिया प्राईमरी स्कूल, जाटोवाला, पोस्ट सभावाला, विकासनगर तथा मदरसा अरबिया तालीमुल कुरआन, प्राथमिक विद्यालय, लक्खनवाला, विकासनगर को मान्यता प्रमाण-पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने हरिद्वार जनपद के मदरसा इमामिया, पठानपुरा, मदरसा अरबिया रहमानिया, हाईस्कूल, रुड़की, पैरामाउन्ट कॉन्वेन्ट, हाईस्कूल, सुल्तानपुर, लक्सर, गोल्डन फ्युचर, जूनियर हाई स्कूल, ग्राम छापुर शेरपुर, अफगानपुर; मदरसा तमन्ना-ए-तालीम, सुल्तानपुर आदमपुर, ब्लॉक लक्सर, मदरसा गुलशन-ए-तालीम, ग्राम-नेहन्दपुर सुठारी, पोस्ट-सुल्तानपुर, ब्लॉक लक्सर, मदरसा जन्नतुन निशा, जूनियर हाई स्कूल, नगर पंचायत सुल्तानपुर आदमपुर, लक्सर, मदरसा नुर साबरी, जूनियर हाईस्कूल, सुल्तानपुर आदमपुर, लक्सर, मदरसा के. जी. एन. पब्लिक स्कूल, ग्राम जसौदरपुर, ब्लॉक बहादराबाद, मदरसा रशीदिया, जूनियर हाई स्कूल, मोहम्मदपुर कुन्हारी, ब्लॉक बहादराबाद, एम. टी. यू. जूनियर हाईस्कूल, नगर पंचायत-सुल्तानपुर आदमपुर, ब्लॉक-लक्सर, मदरसा बहार-ए-चमन, जूनियर हाई स्कूल, ग्राम एवं पोस्ट-तिलकपुरी भोगपुर, ब्लॉक-लक्सर, एम. आई. टी., जूनियर हाईस्कूल, नगर पंचायत-सुल्तानपुर आदमपुर, ब्लॉक-लक्सर, मदरसा तालीम-ए-जदीद, जूनियर हाईस्कूल, ग्राम-जसौदरपुर, पोस्ट सुल्तानपुर आदमपुर, ब्लॉक बहादराबाद, तहसील एवं जिला हरिद्वार, मॉर्डन आदर्श पब्लिक, जूनियर हाई स्कूल, ग्राम-सिकरौढ़ा, विकासखण्ड भगवानपुर; मदरसा फैज-ए-हिदायत, ग्राम एवं पोस्ट-सुल्तानपुर आदमपुर, ब्लॉक-लक्सर, आरजू पब्लिक जूनियर हाईस्कूल, ग्राम-सलेमपुर महदूद, विकासखण्ड बहादराबाद, ड्रीम पैराडाइज पब्लिक जूनियर हाईस्कूल, ग्राम धीरमजरा, डाक हल्लूमजरा, ब्लॉक एवं तहसील भगवानपुर तथा राव असगर अली मैमोरियल, पब्लिक जूनियर हाई स्कूल, ग्राम एवं पोस्ट खेड़ीशिकोहपुर, भगवानपुर को मान्यता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे मुरादाबाद-244001 द्वारा निविदाकर्ताओं से निम्नलिखित मद के लिए इलेक्ट्रोनिक निविदा प्रणाली के अर्न्तगत भण्डार की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं.	माल का विवरण	मात्रा (मीटर में)	अनुमानित मूल्य (रु. में)	निविदा खुलने की तिथि
97265058 B	1100V ग्रेड एल.टी. एरियल बंच्ड केबल, साइज 3x120 +1x95+1x16 वर्ग मिमी	14,660 मीटर	60,94,898.40	05.10.26 11:00 AM

नोटः पूर्ण विवरण एवं निविदा शर्तें वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

पत्र सं.: 50-S/ LP/ 2026 दिनांक 02.09.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3020/2026

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता / III/ मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आंमत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदा दाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेंडर संख्या दिनांक	176-DRM-MB-26-27 DATE 02.09.2026
कार्य का नाम	Raising of Existing PF's to High Level PF's & Civil Work in C/W Provision of (3m) wide FOB with ramps at CBJ.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक / समय	25.09.2026 at 16:00 Hrs
अनुमानित लागत	6,07,39,568.47
धरोहर राशि	12,14,800.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	11.09.2026
ऑफर की वैधता	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	08 months

टेन्डर न. 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक 02.09.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3021/26

संपादकीय

त्यागपत्र पर राजनीतिक घमासान

देहरादून की धर्मपुर विधानसभा सीट ऑन में है। यहां से विधायक विनोद चमोली के दो खास पदाधिकारी इस्तीफा देकर भाजपा से किनारा कर चुके हैं। उनकी इस गतिविधि को राजनीतिक गलियारे में खूब चटकारे लेकर देखा जा रहा है तो साथ ही वही भाजपा संगठन के डगमगाते अनुशासन पर भी चर्चाएं शुरू हो गई है। हालांकि राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि विनोद चमोली धर्मपुर विधानसभा सीट पर एक मजबूत उम्मीदवार है और यह उनका गढ़ भी बन चुका है जहां से उन्हें हटाना किसी भी दूसरे उम्मीदवार के लिए बेहद चुनौती पूर्ण साबित होगा।उत्तराखंड की राजनीति में यह सीट हमेशा से महत्वपूर्ण रही है, क्योंकि यहां का चुनावी परिणाम केवल एक विधायक का भविष्य तय नहीं करता, बल्कि राजधानी के राजनीतिक मिजाज का भी संकेत देता है। जैसे–जैसे 2027 का विधानसभा चुनाव नजदीक आएगा, धर्मपुर का सियासी तापमान और बढ़ना तय माना जा रहा है। विनोद चमोली इस सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। लगातार दो बार जीत दर्ज कर चुके चमोली के सामने अपनी राजनीतिक पकड़ को बनाए रखने की चुनौती है। सत्ता पक्ष होने के कारण जनता की अपेक्षाएं भी भाजपा से अधिक हैं। सड़क, पेयजल, जल निकासी, यातायात जाम, पार्किंग और तेजी से फैलते शहरीकरण जैसी समस्याएं आज भी क्षेत्र के प्रमुख मुद्दों में शामिल हैं। विपक्ष इन्हीं मुद्दों को लेकर सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को घेरने की रणनीति बना रहा है। हालांकि इस समय इन मुद्दों से अधिक उनके दो खास पदाधिकारी का इस्तीफा देना चर्चाओं का विषय बना हुआ है। अब बात करें इस बदलते राजनीतिक समीकरण के तहत कांग्रेस की तैयारी की तो धर्मपुर सीट पर अपनी राजनीतिक वापसी आसान नहीं होगी। पार्टी के भीतर पुराने और नए चेहरों के बीच सक्रियता बढ़ी है। कांग्रेस यह मानकर चल रही है कि यदि वह राजधानी की इस महत्वपूर्ण सीट पर मजबूत चुनौती खड़ी कर पाती है तो उसका संदेश पूरे प्रदेश में जाएगा। हालांकि कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती संगठनात्मक एकजुटता और स्थानीय स्तर पर मजबूत नेतृत्व को स्थापित करने की है। धर्मपुर की राजनीति का एक रोचक पहलू यह भी है कि यहां मुकाबला केवल भाजपा और कांग्रेस के बीच सीमित नहीं रहता। चुनाव नजदीक आते ही टिकट की दावेदारी, गुटीय समीकरण और संगठन के भीतर शक्ति प्रदर्शन भी चर्चा का विषय बन जाते हैं। कई बार दलों के भीतर की खींचतान विपक्ष से अधिक नुकसान पहुंचा देती है। इसलिए दोनों प्रमुख दलों को बाहरी विरोधियों के साथ–साथ आंतरिक असंतोष को भी साधना होगा। धर्मपुर का मिश्रित वर्गीय मतदाता अपेक्षाकृत अधिक जागरूक और मुखर माना जाता है। वह केवल राजनीतिक नारों के आधार पर निर्णय नहीं लेता, बल्कि विकास कार्यों, जनसंपर्क और जनप्रतिनिधि की उपलब्धियों का भी मूल्यांकन करता है। यही कारण है कि यहां चुनावी जीत के लिए केवल पार्टी का नाम पर्याप्त नहीं होता, उम्मीदवार की व्यक्तिगत छवि भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। बहरहाल इस्तीफों की राजनीति से अधिक आज धर्मपुर के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या राजनीतिक दल जनता की वास्तविक समस्याओं को अपनी प्राथमिकता बनाएंगे या फिर चुनावी रणनीतियां केवल आरोप–प्रत्यारोप तक सीमित रहेंगी? क्षेत्र की जनता विकास, सुगम यातायात, बेहतर शहरी सुविधाओं और योजनाबद्ध विकास की अपेक्षा रखती है। यदि राजनीतिक दल इन मुद्दों पर गंभीरता से काम करते हैं तो चुनावी बहस का स्तर भी बेहतर होगा। इतना स्पष्ट है कि धर्मपुर विधानसभा सीट पर सियासी घमासान शुरू हो चुका है। राजनीतिक दल अपनी–अपनी बिसात बिछा रहे हैं और संभावित दावेदार जनता के बीच सक्रिय हो रहे हैं। आने वाले महीनों में यह सीट उत्तराखंड की राजनीति की सबसे चर्चित सीटों में शामिल रहेगी। अब देखना यह है कि जनता विकास के नाम पर मतदान करती है या राजनीतिक समीकरण एक बार फिर चुनावी परिणामों को प्रभावित करते हैं। अब देखना है कि भाजपा संगठन अपने कर्मठ कार्यकर्ताओं की स्थिति पर किस तरीके से अपनी रणनीति बनता है और इस बिगड़ती स्थिति को संभालता है?

रूस अमेरिका सहित दुनिया के अधिकांश देशों में आर्थिक संकट की आहट

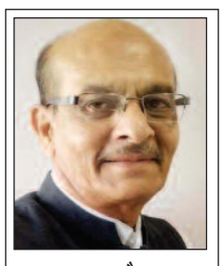

सनत जैन

अमेरिका की अर्थव्यवस्था संकट में पड़ गई है। ईरान के साथ युद्ध के बाद अमेरिका आर्थिक एवं सामरिक दृष्टि से बहुत कमजोर हो गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद जिस तरह से टैरिफ नीतियों को लेकर यूरोप, नाटो सहित दुनिया के अ?धिकांश देशों के साथ जिस तरह की दादागिरी की। जिस तरह से ट्रम्प ने टैरिफ लगाया, उससे अमेरिका की आर्थिक स्थिति लगातार गड़बड़ाती चली गई। अमेरिका में महंगाई बढ़ी तेजी के साथ बड़ी इसी बीच ईरान के साथ युद्ध शुरू हुआ। अमेरिका को अहंकार था, वह 15 20 दिन में ईरान को ठिकाने लगा देंगे। ईरान को तो वह ठिकाने लगा नहीं पाए, उल्टे अरब देशों से अमेरिका के पैर उखड़ गए। सारे अमेरिकी सैन्य अड्डे बर्बाद हो गए। 70 फीसदी हथियार खत्म हो गए, जो डर और भय अमेरिका को लेकर सारी दुनिया में बना हुआ था, वह डर और भय भी खत्म हो गया। ट्रंप की नीतियों के कारण डॉलर का दबदबा भी सारी दुनिया से खत्म होता जा रहा है। डॉलर के मुकाबले अन्य मुद्राओं से वैश्विक कारोबार शुरू हो चुका है। जिसके कारण अमेरिका आर्थिक रूप से विभिन्न कारणों से कमजोर होता चला जा रहा है। अमेरिका में महंगाई के कारण त्राहिमाम मचा हुआ है। कुछ इसी तरह की स्थिति रूस की भी है। पिछले कई वर्षों से यूक्रेन के साथ वह युद्ध लड़ रहा है। भारी आर्थिक एवं साम?रित नुकसान रुस को उठाना पड़ा है। रूस की आर्थिक स्थिति भी तेजी से खराब हो रही है। उसे अपना सोना बेचना पड़ रहा है। इसके बाद भी युद्ध कब खत्म होगा इसका कोई अता पता नहीं है। रूस और अमेरिका का जो अहंकार था, वह यूक्रेन और ईरान ने एक तरह से तोड़ दिया है। रूस और अमेरिका को युद्ध से बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिल रहा है। यही हाल इजराइल का हुआ है। उनका अहंकार उनके आड़े आ रहा है। इसी बीच चीन ने बड़ी शांति के साथ जब दो महाशक्तियां और दुनिया के अधिकांश देश आपस में लड़ रहे थे। इसका फायदा उठाते हुए व्यापार के जरिए अपनी आर्थिक और सामरिक स्थिति को मजबूत कर लिया। चीन एक नई महाशक्ति के रूप में सारी दुनिया के सामने है। चीन के बिना किसी का काम नहीं चल रहा है। इसमें सबसे ज्यादा खराब स्थिति भारत की है। भारत दो पाटों के बीच में फंसकर बुरी तरह से पिस रहा है। भारत अपने आप को विश्व गुरु के रूप में प्रचारित करके तथा सबसे बड़ा बाजार होने का अहंकार पालकर जिस तरह की गलतियां पिछले एक दशक से कर रहा है। उसके कारण भारत की आर्थिक स्थिति भी दिनों दिन खराब होती जा रही है। सरकार कोई भी दावा करे, उन दावों के विपरीत भारत की आर्थिक स्थिति है। भारत के ऊपर कर्ज बढ़ता चला जा रहा है। भारत का सामरिक खर्च बढ़ता चला जा रहा है। 20 से 25 करोड युवा बेरोजगारी के शिकार हैं। गरीब आदमी गरीब होता चला जा रहा है। महंगाई बढ़ती चली जा रही है। 80 करोड लोगों को मुफ्त अनाज देना पड़ रहा है। इसके बाद भी भारत सरकार भी जिस तरह से रूस और अमेरिका अपने अहंकार से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं, कुछ वही स्थिति भारत की देखने को मिल रही है। भारत चीन के ऊपर निर्भर होता चला जा रहा है। चीन का आयात भारत में साल दर साल बढ़ता चला जा रहा है। उसके मुकाबले निर्यात घटता जा रहा है। भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है। भारत और चीन के बीच में प्रतिस्पर्धा है। सीमा विवाद है, भारतीय सीमाओं पर चीन का अनधिकृत कब्जा बढ़ता जा रहा है। उसके बाद भी भारत सरकार चीन के सामने बेबस नजर आ रही है। अब आर्थिक स्थिति को संभालना और महंगाई से निपटना भारत सरकार के लिए बहुत मुश्किल हो गया है। वहीं अमेरिका, चीन, रूस के तीन पाटों के बीच में फंसकर भारत लगातार पिस रहा है। सभी महाशक्तियां भारत को अपने इशारे पर नचा रही हैं। भारत को उनके इशारों पर नाचना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति इसके पहले कभी नहीं थी। अब जिस तरह की आर्थिक मंदी की वैश्विक स्थिति बन रही है। उसने भारत की चिंताओं को बढ़ा दिया है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार को वास्तविक सत्य के आधार पर अपनी नीतियां बनानी होगी। अहंकार से बाहर निकलना होगा। तभी जाकर स्थितियों में सुधार लाया जा सकता है।

आईआईएस अधिकारी केवल संचारक नहीं,शासन और जनता के बीच मजबूत कड़ी

विनोद सिंह 'तकियावाला'

सटीकता,विश्वसनीयता और संवेदनशीलता के साथ नागरिकों की आकांक्षाओं को शासन तक पहुँचाने की अंहम जिम्मेदारी...

नई दिल्ली। लोकतंत्र में सरकार और जनता के बीच संबंध केवल नीतियों, योजनाओं और निर्णयों से निर्धारित नहीं होते, बल्कि इन दोनों के बीच होने वाला संवाद इस रिश्ते की वास्तविक मजबूती तय करता है।सरकार की नीतियां कितनी भी जनकल्याणकारी क्यों न हों, यदि उनकी सही जानकारी नागरिकों तक नहीं पहुँचती अथवा जनता उन नीतियों के उद्देश्य और लाभ को समझ नहीं पाती, तो शासन और नागरिकों के बीच विश्वास की वह कड़ी मजबूत नहीं हो सकती, जिसकी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सबसे अधिक आवश्यकता होती है।

इसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के केंद्र में भारतीय सूचना सेवा यानी आईआईएस के अधिकारी आते हैं। इन अधिकारियों की भूमिका केवल सरकार की सूचनाओं, योजनाओं और उपलब्धियों को मीडिया अथवा जनता तक पहुँचाने तक सीमित नहीं है।वे शासन और नागरिकों की आकांक्षाओं के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु हैं।उनकी जिम्मेदारी सरकार की बात जनता तक पहुँचाने के साथ-साथ जनता की आवाज,अपेक्षाओं और प्रतिक्रियाओं को शासन तक पहुँचाने की भी है।सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव ने आईआईएस अधिकारियों की इसी व्यापक भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा है कि उनकी जिम्मेदारी संचार से आगे बढ़कर शासन और नागरिकों के बीच विश्वास निर्माण की है। यह विश्वास सटीकता,विश्वसनीयता और संवेदनशीलता के आधार पर ही कायम किया जा सकता है।आज के दौर में इस भूमिका का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। सूचना प्रौद्योगिकी और डिजिटल माध्यमों ने संचार की गति को अभूतपूर्व बना दिया है। किसी घटना,सरकारी निर्णय अथवा योजना से संबंधित सूचना कुछ ही क्षणों में देश के एक कोने से दूसरे कोने तक पहुँच सकती है।सोशल मीडिया के माध्यम से सूचना का प्रसार तेज हुआ है, मगर इसी के साथ गलत सूचना, अधूरी जानकारी और भ्रामक दावों की चुनौती भी गंभीर हुई है।ऐसे वातावरण में आईआईएस अधिकारियों की जिम्मेदारी केवल सूचना को तेजी से प्रसारित करने की नहीं,बल्कि सही और प्रमाणिक सूचना को सही संदर्भ में जनता तक पहुँचाने की है। सरकारी संचार में एक छोटी-सी तथ्यात्मक गलती भी नागरिकों के विश्वास को प्रभावित कर सकती है।इसके विपरीत स्पष्ट,तथ्यपरक और पारदर्शी संवाद सरकार और जनता के बीच भरोसे को मजबूत करता है।सरकारी योजनाओं और नीतियों के प्रचार-प्रसार को भी इसी दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है।किसी योजना की घोषणा कर देना और उसके आंकड़े जारी कर देना संचार की पूर्ण प्रक्रिया नहीं है।वास्तविक चुनौती यह है कि आम नागरिक उस योजना का उद्देश्य समझ सके, यह जान सके कि उसका लाभ किस प्रकार प्राप्त किया जा सकता है और उसके जीवन पर उसका क्या प्रभाव पड़ेगा।यहीं आईआईएस अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।उन्हें जटिल सरकारी नीतियों और प्रशासनिक भाषा को सरल,स्पष्ट और जनसुलभ भाषा में प्रस्तुत करना होता है। जनता को केवल यह बताना पर्याप्त नहीं कि सरकार ने क्या निर्णय लिया है, बल्कि यह भी समझाना आवश्यक है कि निर्णय क्यों लिया गया और उससे नागरिकों को क्या लाभ होगा।भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में यह जिम्मेदारी और चुनौतीपूर्ण है। देश के अलग-अलग हिस्सों में भाषा,संस्कृति,सामाजिक परिस्थितियों और नागरिकों की प्राथमिकताएं अलग-अलग हैं। इसलिए सरकारी संचार को केवल एक औपचारिक संदेश तक सीमित नहीं रखा जा सकता।उसे स्थानीय परिस्थितियों और समाज की संवेदनशीलताओं के अनुरूप भी बनाया जाना आवश्यक है।आईआईएस अधिकारी इसी विविधता को ध्यान में रखते हुए सरकार और समाज के बीच संवाद को अधिक प्रभावी बना सकते हैं।उन्हें शासन की भाषा को जनता की भाषा में बदलने के साथ-साथ जनता की आकांक्षाओं को शासन तक पहुँचाने वाला माध्यम भी बनना होगा।लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवाद एकतरफा नहीं हो सकता।यदि सरकार केवल अपनी योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी जनता तक पहुँचाती रहे और नागरिकों के सवालों, समस्याओं तथा प्रतिक्रियाओं को सुनने की व्यवस्था कमजोर हो,तो संवाद अधूरा रह जाता है। वास्तविक लोकतांत्रिक संचार वही है जिसमें सरकार बोलती भी है और जनता को सुनती भी है।आईआईएस अधिकारी इस दोतरफा संवाद की महत्वपूर्ण कड़ी हैं।मीडिया और जनता के साथ उनका संपर्क उन्हें समाज की बदलती सोच और अपेक्षाओं को समझने का अवसर देता है। यह जानकारी शासन के लिए भी उपयोगी हो सकती है। जनता किन मुद्दों को लेकर चिंतित है, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में कहां कठिनाइयां हैं और किन क्षेत्रों में अधिक जानकारी की आवश्यकता है,इन सबका संज्ञान लेकर संचार व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।संचार में संवेदनशीलता का महत्व भी कम नहीं है।आंकड़ों और सरकारी उपलब्धियों के पीछे आम नागरिक का जीवन जुड़ा होता है।किसी किसान,श्रमिक,महिला, युवा,वरिष्ठ नागरिक अथवा छोटे उद्यमी के लिए सरकारी योजना का अर्थ केवल एक आंकड़ा नहीं,बल्कि उसके जीवन में संभावित बदलाव है।इसलिए सरकारी संचार में मानवीय दृष्टिकोण आवश्यक है।

आईआईएस अधिकारियों को तकनीकी दक्षता के साथ इस मानवीय पक्ष को भी समझना होगा। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि सरकारी संदेश केवल बड़े शहरों और डिजिटल माध्यमों तक सीमित न रहे, बल्कि समाज के उन वर्गों तक भी पहुँचे जो सूचना के आधुनिक साधनों तक समान रूप से पहुंच नहीं रखते।

आज सरकारी संचार के सामने एक और बड़ी चुनौती विश्वसनीयता की है।जब नागरिकों के सामने सूचनाओं के अनेक स्रोत मौजूद हों,तब आधिकारिक सूचना की विश्वसनीयता तभी कायम रह सकती है जब उसमें तथ्य, पारदर्शिता और जिम्मेदारी दिखाई दे।आईआईएस अधिकारियों को इस विश्वास की रक्षा करनी होगी।उनकी भूमिका इसलिए केवल ह्यसरकारी

सूचना पहुँचाने वाले अधिकारीह्न की नहीं है।वे लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में संवाद के प्रतिनिधि हैं।उनके माध्यम से सरकार की नीतियां जनता तक पहुँचती हैं और जनता की आवाज शासन तक जाती है। इसीलिए उनके काम में प्रशासनिक दक्षता के साथ पत्रकारिता की समझ,सामाजिक संवेदनशीलता और लोकतांत्रिक मूल्यों की गहरी समझ भी आवश्यक है।वर्तमान समय में सरकार और नागरिकों के बीच विश्वास की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है।यह विश्वास केवल घोषणाओं से नहीं बनता।इसके लिए निरंतर संवाद,सही जानकारी,स्पष्ट भाषा, पारदर्शिता और जनता की भावनाओं के प्रति संवेदनशीलता जरूरी है । आईआईएस अधिकारी इस पूरी प्रक्रिया में केंद्रीय भूमिका निभा सकते हैं।यदि सरकारी संचार सटीकता के साथ विश्वसनीयता और संवेदनशीलता को भी अपना आधार बनाए,तो वह केवल सूचना का माध्यम नहीं रहेगा, बल्कि शासन और जनता के बीच विश्वास का मजबूत पुल बन जाएगा।यही आईआईएस अधिकारियों की वास्तविक भूमिका है - सरकार की आवाज को जनता तक पहुँचाना और जनता की आकांक्षाओं को शासन तक पहुँचाना।लोकतंत्र में इस संवाद की कड़ी जितनी मजबूत होगी, शासन और नागरिकों के बीच विश्वास भी उतना ही गहरा होगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार हैं)

युवाओं को साधने की नई रणनीतिः नितिन नवीन की बैठक से भाजपा ने खोला 2027 का चुनावी मोर्चा

कांतिलाल मांडोत

भाजपा की नई रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि पार्टी अब युवाओं से केवल राजनीतिक मुद्दों के आधार पर संवाद करने के बजाय उनके रोजमर्रा के सवालों, आकांक्षाओं और चिंताओं को भी अपने अभियान का हिस्सा बनाने की तैयारी कर रही है। रोजगार, शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाएं, कौशल विकास, नशे की समस्या, डिजिटल दुनिया और युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दे आने वाले समय में पार्टी के संवाद का प्रमुख आधार बन सकते हैं। इसके पीछे स्पष्ट राजनीतिक उद्देश्य भी है।

नशामुक्ति से सोशल मीडिया तक युवाओं से सीधा संवाद बढ़ाने की तैयारी, जेन जी की नाराजगी दूर कर नई पीढ़ी को पार्टी से जोड़ने पर जोर...

भारतीय जनता पार्टी ने 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों के बीच युवाओं को अपने साथ जोड़ने की रणनीति पर गंभीरता से काम शुरू कर दिया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की दिल्ली में वरिष्ठ नेताओं के साथ हुई अहम बैठक को इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। बैठक में युवाओं तक पार्टी की पहुंच बढ़ाने, नई पीढ़ी के बीच संगठन की स्वीकार्यता मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनावों में युवा मतदाताओं की भूमिका को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। उत्तर प्रदेश, पंजाब और गुजरात सहित सात राज्यों में होने वाले चुनावों को देखते हुए भाजपा अब युवाओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश में जुट गई है।

भाजपा की नई रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि पार्टी अब युवाओं से केवल राजनीतिक मुद्दों के आधार पर संवाद करने के बजाय उनके रोजमर्रा के सवालों, आकांक्षाओं और चिंताओं को भी अपने अभियान का हिस्सा बनाने की तैयारी कर रही है। रोजगार, शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाएं, कौशल विकास, नशे की समस्या, डिजिटल दुनिया और युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दे आने वाले समय में पार्टी के संवाद का प्रमुख आधार बन सकते हैं। इसके पीछे स्पष्ट राजनीतिक उद्देश्य भी है। देश की बड़ी युवा आबादी चुनावों में निर्णायक भूमिका निभाती है और नई पीढ़ी का रुख किसी भी राजनीतिक दल के पक्ष या विपक्ष में माहौल बनाने की क्षमता रखता है।

नितिन नवीन की बैठक में भाजपा युवा मोर्चा के नवनियुक्त अध्यक्ष हेमांग जोशी के साथ पूर्व अध्यक्ष अनुराग ठाकुर, पूनम महाजन और तेजस्वी सूर्या जैसे युवा चेहरों की मौजूदगी भी इस बात का संकेत है कि पार्टी युवाओं से जुड़े अभियान में अपने पुराने और नए दोनों नेतृत्व को सक्रिय करना चाहती है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव, युवा मामलों एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया तथा केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित कई वरिष्ठ नेता भी बैठक में शामिल हुए। स्मृति ईरानी, गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी और छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा जैसे नेताओं की भागीदारी से साफ है कि यह केवल युवा मोर्चे की बैठक नहीं थी, बल्कि व्यापक राजनीतिक रणनीति तैयार करने का प्रयास था।

सूत्रों के अनुसार, इस महत्वपूर्ण विमर्श के लिए देशभर से 40 से अधिक नेताओं को आमंत्रित किया गया था। पार्टी की ओर से बैठक में हुई चचाओं पर आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन बैठक का समय और इसमें

शामिल नेताओं का स्वरूप बताता है कि भाजपा 2027 के चुनावों को लेकर अभी से जमीन तैयार करना चाहती है। खासतौर पर जेन जी यानी नई पीढ़ी के मतदाताओं को लेकर पार्टी को अपनी रणनीति में बदलाव की आवश्यकता महसूस हो रही है।

जेन जी की नाराजगी दूर करने की कोशिश

हाल के वर्षों में प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार, शिक्षा और अवसरों से जुड़े मुद्दों को लेकर युवाओं में असंतोष देखने को मिला है। नीट जैसी परीक्षाओं से जुड़े विवादों ने भी युवा वर्ग में नाराजगी को राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनाया। ऐसे माहौल में भाजपा के सामने चुनौती केवल सरकार की उपलब्धियां गिनाने की नहीं, बल्कि युवाओं की शिकायतों को सुनने और उन्हें यह भरोसा दिलाने की है कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से लिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित करते हुए फ्रेंड्स शब्द का इस्तेमाल इसी संवाद की शैली का हिस्सा माना जा सकता है। संदेश यह है कि सरकार और पार्टी नई पीढ़ी को अपने विरोधी खेमे के रूप में नहीं देखती। युवाओं की नाराजगी को राजनीतिक टकराव में बदलने के बजाय उनके साथ संवाद स्थापित करने की कोशिश की जा रही है। हालांकि इस रणनीति की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि युवाओं की वास्तविक समस्याओं के समाधान को कितना प्रभावी ढंग से जमीन पर उतारा जाता है।

नशामुक्ति को युवाओं के अभियान से जोड़ने की पहल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 137वें एपिसोड में युवाओं से नशामुक्त भारत अभियान को जन आंदोलन बनाने की अपील की। उन्होंने युवाओं से नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने वाले वीडियो और अन्य रचनात्मक कंटेंट तैयार करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने माना कि युवाओं की रचनात्मक क्षमता और सोशल मीडिया की व्यापक पहुंच का इस्तेमाल नशे के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने में किया जा सकता है।

राजनीतिक दृष्टि से देखें तो नशामुक्ति का मुद्दा भाजपा के लिए युवाओं तक पहुंच बनाने का एक प्रभावी माध्यम बन सकता है। पंजाब सहित कई राज्यों में नशे की समस्या लंबे समय से गंभीर सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा रही है। ऐसे में नशामुक्ति को केवल सरकारी अभियान के बजाय युवाओं के नेतृत्व वाले सामाजिक अभियान का रूप देने की कोशिश पार्टी के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है। युवा यदि स्वयं वीडियो, पोस्ट, अभियान और जागरूकता सामग्री तैयार करते हैं तो संदेश राजनीतिक भाषण की तुलना में अधिक सहजता से नई पीढ़ी तक पहुंच सकता है।

आज की जेन जी राजनीति को पारंपरिक भाषणों और पोस्टरों से अलग नजरिए से देखती है। वह मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से जानकारी हासिल करती है और अपनी प्रतिक्रिया भी उसी माध्यम से देती है। भाजपा इस बदलाव को समझते हुए युवाओं के लिए नए तरह के कंटेंट और संवाद की रणनीति तैयार कर रही है।

मन की बात में नशामुक्ति पर कंटेंट बनाने की अपील और दूसरी ओर नितिन नवीन की युवा आउटरीच बैठक, दोनों घटनाओं को एक व्यापक रणनीति के हिस्से के रूप में देखा जा सकता है। पार्टी युवाओं को केवल राजनीतिक संदेश का उपभोक्ता बनाने के बजाय उन्हें संदेश का निमार्ता भी बनाना चाहती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में स्वच्छता के महत्व का उल्लेख करते हुए उत्तर प्रदेश के रामपुर के पटवाई गांव के युवाओं आकाश और रोहन का उदाहरण दिया। दोनों ने क्लीन अप पटवाई टीम बनाकर युवाओं के साथ गंगा घाटों की सफाई की, तालाबों को संवारा और बड़ी मात्रा में प्लास्टिक कचरा हटाया। इसी तरह आंध्र प्रदेश के कडपा के किसान वरदराज की एवोकाडो खेती का उदाहरण देकर प्रधानमंत्री ने कृषि में नए अवसरों और युवाओं की बदलती सोच की ओर भी ध्यान खींचा।

इन उदाहरणों के माध्यम से सरकार यह संदेश देने की कोशिश कर रही है कि युवा केवल नौकरी तलाशने वाला वर्ग नहीं, बल्कि समाज और अर्थव्यवस्था में नए अवसर पैदा करने वाला वर्ग भी है। स्वच्छता, खेती, खेल, तकनीक, नवाचार और नशामुक्ति जैसे मुद्दों को जोड़कर युवाओं के लिए सकारात्मक भागीदारी का रास्ता तैयार किया जा सकता है।

2027 में सात राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए महत्वपूर्ण होंगे। पार्टी की कोशिश सत्ता में वापसी या सरकारों को बनाए रखने के साथ-साथ युवा मतदाताओं के बीच अपने आधार को मजबूत करने की है। इसके लिए केंद्र और राज्य स्तर पर समीक्षा बैठकों का दौर बढ़ने की संभावना है। सरकार से नाराज युवाओं को फिर से संवाद की मुख्यधारा में लाना भाजपा की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकता है।

युवा देश की धड़कन हैं। उनके सवालों को नजरअंदाज करना किसी भी राजनीतिक दल के लिए जोखिम भरा हो सकता है। भाजपा के सामने भी यही चुनौती है कि वह युवाओं को केवल चुनावी मतदाता के रूप में नहीं, बल्कि नीति निर्माण और विकास की प्रक्रिया के भागीदार के रूप में कैसे सामने लाती है। नितिन नवीन की बैठक से यह संकेत जरूर मिल गया है कि 2027 के चुनावों की तैयारी में युवाओं को केंद्र में रखा जाएगा।

अब असली परीक्षा रणनीति को जमीन पर लागू करने की होगी। नशामुक्ति का संदेश, रोजगार और शिक्षा से जुड़े सवाल, प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता, डिजिटल संवाद और युवाओं की भागीदारी यदि वास्तविक नीतियों और प्रभावी कार्रवाई से जुड़ते हैं, तभी भाजपा नई पीढ़ी का विश्वास हासिल कर सकेगी। केवल नारों और सोशल मीडिया अभियानों से यह दूरी पूरी नहीं होगी। युवाओं को विश्वास दिलाना होगा कि उनकी आवाज सुनी जा रही है और उनके भविष्य को राजनीतिक प्राथमिकता दी जा रही है। 2027 के चुनावों में यही भरोसा भाजपा की रणनीति की सबसे बड़ी कसौटी बनने वाला है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

चीन में जन्मदर में तेज गिरावट 2025 में जन्मे 79.2 लाख बच्चे

बीजिंग, एजेंसी। चीन में आबादी बढ़ाने की कोशिशों के बावजूद जन्मदर में फिर गिरावट दर्ज की गई है। 2025 में देश में 79.2 लाख बच्चों का जन्म हुआ, जबकि इस दौरान 1.13 करोड़ लोगों की मौत हुई। इसके साथ चीन की प्राकृतिक जनसंख्या वृद्धि दर घटकर शून्य से 2.41 प्रति हजार नीचे पहुंच गई। यह आंकड़ा 2024 में दर्ज -0.99 प्रति हजार की तुलना में कहीं अधिक नकारात्मक है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग की ओर से शुक्रवार को जारी 2025 के स्वास्थ्य विकास संबंधी सांख्यिकीय बुलेटिन में यह जानकारी सामने आई।

अमेरिका में केरल की दो महिलाओं की हत्या

कैलिफोर्निया , एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में केरलम की दो महिलाओं की हत्या कर दी गई। मृतक महिलाओं की दोस्त कोट्टयम की अनिला को हत्या के शक में अमेरिकी पुलिस की हिरासत में है। तीनों महिलाएं एक ही अपार्टमेंट में रहती थीं। आरोप है कि अनिला ने एन पर चाकू से हमला किया और बाद में कार से अंजना को टक्कर मार दी। मृतकाओं की पहचान त्रिशूर के मुडिक्कोड की रहने वाली अंजना और तिरुवनंतपुरम के केशवदासपुरम की रहने वाली एन मैथ्यू के तौर पर की गई। अंजना के रिश्तेदार विनोद के मुताबिक, अंजना 2021 में अमेरिका गई थीं। उनके पति विजीश और छह साल की बेटी सदमे में हैं।

अमेरिकी सेना मंत्री डैन ड्रिस्कॉल ने 18 महीने बाद पद से दिया इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सेना मंत्री डैन ड्रिस्कॉल ने 18 महीने तक पद पर रहने के बाद इस्तीफा देने की घोषणा कर दी। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने सोमवार को यह जानकारी दी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के दौरान किसी शीर्ष सैन्य अधिकारी के पद छोड़ने का यह ताजा मामला है। उपराष्ट्रपति जे डी वेंस के मित्र ड्रिस्कॉल के पद छोड़ने का कोई कारण नहीं बताया गया है लेकिन रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के साथ उनके तनाव की खबरें व्यापक रूप से सामने आती रही हैं। यह सैन्य नेतृत्व, खासकर थल सेना में लगातार हो रहे फेरबदल का ताजा मामला है 'व्हाइट हाउस' की प्रवक्ता एना केली ने एक बयान में कहा, ''मंत्री ड्रिस्कॉल ने ऐतिहासिक सैन्य अभियानों के दौरान उत्कृष्ट नेतृत्व प्रदान करके, सैन्य तैयारियों और मारक क्षमता पर फिर से जोर देकर, रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता में मदद करके तथा अन्य कार्यों के जरिये सेना विभाग में राष्ट्रपति ट्रंप के 'अमेरिका को फिर से मजबूत बनाने' के एजेंडे को आगे बढ़ाने में बेहद प्रभावी भूमिका निभाई है।'' उन्होंने कहा, ''कमांडर-इन-चीफ और युद्ध मंत्री के साथ मिलकर किए गए उनके काम की बदौलत अमेरिकी थल सेना पहले से कहीं अधिक शक्तिशाली है।'' अमेरिकी थल सेना के एक अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि ड्रिस्कॉल ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सेना की मौजूदा स्थिति पर बातचीत की और अपना इस्तीफा सौंप दिया। अधिकारी को और कोई जानकारी नहीं दी। ड्रिस्कॉल के पद छोड़ने से पहले सेना में उनके एक सहयोगी को हटाया गया था और उस ड्रोन कार्यक्रम को भी वापस लिया गया था, जिसके वह प्रमुख समर्थक थे।

बांग्लादेश में हिंदू त्योहारों की छुट्टियां रद्द: भड़के अल्पसंख्यक, जन्माष्टमी पर नहीं रहेगी पहले जैसी रौनक?

ढाका, एजेंसी। जैसे-जैसे जन्माष्टमी के साथ अन्य हिंदू त्योहारों की समय नजदीक आ रहा है, बांग्लादेश में सरकार के प्रति हिंदुओं में रोष बढ़ता ही जा रहा है। इसकी प्रमुख वजह यह है कि बांग्लादेश सरकार ने जन्माष्टमी को मिलने वाला सरकारी अवकाशरद्द कर दिया है। ढाकेश्वरी मंदिर, चट्टग्राम, सिलहट समेत कई मंदिरों में जन्माष्टमी मनाई जानी है, लेकिन इस बार यहां जन्माष्टमी को आधिकारिक छुट्टी नहीं रहेगी। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक, इस वर्ष 2 जनवरी को ही बांग्लादेश में सरस्वती पूजा, जन्माष्टमी, दुर्गाष्टमी और बुद्ध पूर्णिमा की सरकारी छुट्टियां रद्द कर दी गईं। हिंदू जागृति समिति व इसकी अगुवाई में हिंदुओं ने इसका भारी विरोध किया है। हसीना के अपदस्थ होने के बाद बांग्लादेश में हिंदुओं की हिंसा के चलते ढाका, सिलहट, खुलना, कुमिला, जेसोर और मीरपुर में बड़े-बड़े जुलूस नहीं निकाले जा रहे हैं इस बार भी यहां उत्साह फीका रहेगा।

समुद्र का जलस्तर बढ़ने से कोलकाता और मुंबई के लाखों लोग हो सकते हैं प्रभावित : यूएन

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की एक रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि समुद्र का जलस्तर बढ़ने से कोलकाता और मुंबई में रह रहे लाखों लोग बुरी तरह प्रभावित हो सकते हैं। सोमवार को जारी रिपोर्ट में ग्लोबल वार्मिंग की वजह से समुद्र का जलस्तर बढ़ने के असर को लेकर कई गंभीर चेतावनियां दी गई हैं। ग्लोबल वार्मिंग से ग्लेशियर और बर्फ की परतें पिघलती हैं और पानी गर्म होता है, जिससे संपत्ति, लोगों और यहां तक ??कि संस्कृतियों पर भी असर पड़ता है। पैसिफिक आइलैंड्स फोरम लीडर्स की 55वीं बैठक में सेक्रेटरी-जनरल अमीना मोहम्मद ने जो रिपोर्ट जारी की, उसके मुताबिक 2024 में समुद्र के जलस्तर में सालाना बढ़ोतरी अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है और यह लगभग छह मिलीमीटर दर्ज की गई है।

इस बैठक की मेजबानी पलाऊ कर रहा है, जो प्रशांत महासागर के द्वीपों का एक देश है। समुद्र का जलस्तर बढ़ने से इसके कई द्वीप काफी हद तक डूब सकते हैं। यह बैठक इसी गंभीर खतरे को उजागर कर रही है।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'दक्षिण एशिया के निचले डेल्टा इलाकों और भारत के कोलकाता और मुंबई व बांग्लादेश के ढाका जैसे शहरों में सबसे बड़ा असर लोगों के

विस्थापन के रूप में दिख रहा है। यहां 1.4 करोड़ से अधिक लोगों के घर हमेशा के लिए पानी में डूबने का खतरा है। ' रिपोर्ट में इस डरावनी स्थिति के होने के लिए कोई निश्चित समय-सीमा तय नहीं की गई है। न्यूयॉर्क में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में असिस्टेंट सेक्रेटरी-जनरल नाविद हनीफ ने कहा कि समुद्र का बढ़ता जलस्तर एक चुनौती पेश करता है, क्योंकि उन इलाकों में लोग अपना तटीय इलाका खो रहे हैं। समुद्र के बढ़ते जलस्तर का असर सिर्फ तटीय इलाकों तक ही सीमित नहीं है। उन्होंने कहा, 'कृपया समुद्र के बढ़ते जलस्तर को एक बड़ी व्यवस्थागत समस्या के तौर पर देखें, क्योंकि इसका असर सेहत, खाद्य सुरक्षा, मानवाधिकारों और संस्कृति पर पड़ेगा। आप अपनी पुश्तैनी जमीन और अपनी पहचान खो देंगे। इसलिए सरकारों को इस मुद्दे को अपनी योजना बनाने की प्रक्रिया का हिस्सा बनाने के लिए बहुत व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। '

पिछले सप्ताह नेपाल-तिब्बत सीमा पर हिमालय से ग्लेशियर के टूटने और नीचे गिरने से पानी और कीचड़ का सुनामी जैसा सैलाब आया, जिसमें सैकड़ों लोगों की मौत हो गई और कई इलाके बर्बाद हो गए। दक्षिण एशिया पर ग्लेशियरों के पिघलने या नीचे गिरने के असर के बारे में पूछे जाने पर हनीफ ने कहा कि हिमालय के ग्लेशियरों को 'तीसरा ध्रुव' माना जाता है।

उन्होंने कहा, 'हमारे पास उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव हैं और दक्षिण एशिया में दुनिया के ग्लेशियरों का बड़ा जमावड़ा होने के कारण इसे 'तीसरा ध्रुव' माना जाता है। अगले 15 से 20 सालों में दक्षिण एशिया के लिए ग्लेशियरों के पिघलने से बाढ़ का खतरा है। उन्होंने कहा कि इसके बाद सूखा पड़ सकता है, जिससे फसलें और खाद्य सुरक्षा प्रभावित हो सकती है और बड़े जोखिम पैदा हो सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर में लगभग 77 करोड़ लोग, यानी धरती पर हर दस में से लगभग एक व्यक्ति खतरे में हैं, क्योंकि वे ऐसे तटीय इलाकों में रहते हैं, जो हाई-टाइड लाइन (ज्वार-भाटा के दौरान पानी के अधिकतम स्तर की रेखा) से पांच मीटर से भी कम ऊंचे हैं और पहले से ही बड़े खतरों का सामना कर रहे हैं। अनुमान है कि दुनिया भर में समुद्र का जलस्तर बढ़ने से जुड़े खतरों के कारण कम से कम 1.8 ट्रिलियन डॉलर की कीमत वाले इंफ्रास्ट्रक्चर को खतरा है।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'समुद्र का जलस्तर बढ़ने से पहले ही शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर, जल प्रणालियों, परिवहन, ऊर्जा ग्रिड, इमारतों और भूजल संसाधनों को नुकसान पहुंच रहा है। इसके दूरगामी परिणाम हो रहे हैं, जो लंबे समय में मानवाधिकारों के प्रभावी उपभोग के लिए खतरा पैदा करते हैं। '

रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि समुद्र का जलस्तर बढ़ने का खतरा सबसे अधिक द्वीपीय देशों को महसूस होगा, लेकिन यह खतरा भौगोलिक सीमाओं को नहीं मानता। रिपोर्ट में कहा गया है, 'उदाहरण के लिए, अमेरिका में मियामी और न्यूयॉर्क और चीन में ग्वांगझू जैसे अधिक आय वाले शहरों में मुख्य असर तटीय इंफ्रास्ट्रक्चर पर पड़ने वाला भारी वित्तीय जोखिम है, जिसमें खतरे में पड़ी संपत्तियों का अनुमानित मूल्य 2 ट्रिलियन डॉलर से 3.5 ट्रिलियन डॉलर के बीच है।

साठगांठः चुनाव अभियान के तहत हजारों डॉलर देकर बनवाए जा रहे वीडियो

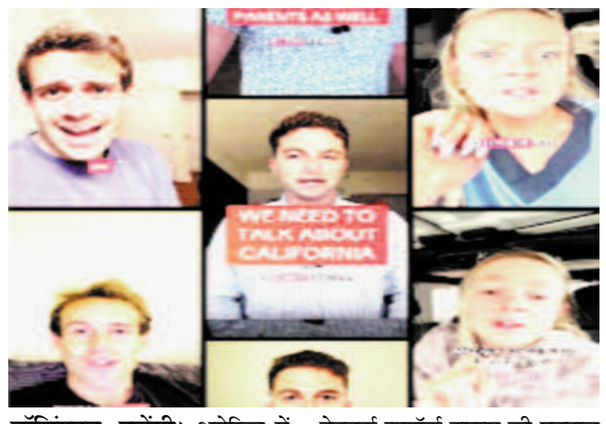

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में चुनाव प्रचार का मैदान तेजी से सोशल मीडिया की ओर खिसक रहा है। उम्मीदवार और उनके अभियान अब टीवी विज्ञापनों और रैलियों के साथ लोकप्रिय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को भी अपने संदेश का माध्यम बना रहे हैं। लाखों फॉलोअर्स वाले इन क्रिएटर्स की सामान्य वीडियो सामग्री दर्शकों को पारंपरिक राजनीतिक विज्ञापन की तुलना में ज्यादा सहज और विश्वसनीय लगती है। चिंता की बात यह है कि कई मामलों में इन्फ्लुएंसर्स को हजारों डॉलर देकर उम्मीदवारों या राजनीतिक मुद्दों के समर्थन में वीडियो बनवाए गए, लेकिन दर्शकों को स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया कि इन पोस्ट के लिए भुगतान किया गया है। इससे किसी इन्फ्लुएंसर की निजी राय और पैसे लेकर तैयार किए गए राजनीतिक संदेश के बीच अंतर करना मुश्किल हो जाता है। पेड प्रचार का यह नेटवर्क न्यूयॉर्क टाइम्स की पड़ताल में सामने आया है। पड़ताल के दौरान पाया गया कि कैलिफोर्निया के गवर्नर पद के लिए उम्मीदवार टॉम स्टेयर के अभियान ने फरवरी से अगस्त के बीच कम से कम 17 इन्फ्लुएंसर्स को 5,000 डॉलर या उससे अधिक का भुगतान किया। इनमें टिकटॉक पर 14 लाख से अधिक फॉलोअर्स वाले कार्लोस एडुआर्डो एस्पिना भी शामिल थे। पूर्व प्रतिनिधि कैटी पोर्टर के अभियान ने 12 इन्फ्लुएंसर्स को कुल 1,39,500 डॉलर दिए। लाइफस्टाइल क्रिएटर एवरी साइरस को एक पोस्ट के लिए 25,000 डॉलर मिले। असल मुद्दा यह नहीं कि इंफ्लूएंसर्स प्रचार का हिस्सा बन रहे, बल्कि सवाल यह है कि लोगों के सामने जाहिर की जा रही उनकी राय कितनी स्वतंत्र है। कैलिफोर्निया में राजनीतिक पेड पोस्ट के लिए भुगतान की जानकारी देने के नियम हैं, लेकिन उनका पालन नहीं हो रहा।

व्हाइट हाउस में 40 करोड़ डॉलर के बॉलरूम निर्माण को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से हरी झंडी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने 'व्हाइट हाउस' (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में प्रस्तावित 40 करोड़ डॉलर के भव्य बॉलरूम के निर्माण को फिलहाल जारी रखने की सोमवार को अनुमति दे दी। अदालत के इस फैसले को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए बड़ी जीत के तौर पर देखा जा रहा है, जो अभूतपूर्व कार्यकारी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए राजधानी की तस्वीर और स्वरूप को अपनी प्राथमिकताओं के अनुरूप बदलने का काम कर रहे हैं। यह फैसला मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स के उस अस्थायी आदेश की जगह लेगा, जो उन्होंने अधीनस्थ अदालत के निर्माण कार्य रोकने के फैसले के प्रभावी होने से कुछ घंटे पहले जारी किया था।

हालांकि, मुख्य न्यायाधीश ने सोमवार के ताजा आदेश से सार्वजनिक रूप से असहमति जताई और उन्होंने अदालत के तीन उदारवादी न्यायाधीशों का साथ दिया जिन्होंने निर्माण परियोजना को 'संभावित रूप से गैरकानूनी' करार दिया। बहुमत में न्यायाधीशों ने परियोजना की वैधता पर कोई अंतिम फैसला नहीं दिया। उनका कहना है कि निर्माण को चुनौती देने वाले संरक्षण समूह के पास संभवतः ऐसा करने का कानूनी अधिकार नहीं है।

मामले पर सुनवाई अब अधीनस्थ अदालतों में होगी। हालांकि, अदालती दस्तावेजों के अनुसार परियोजना के अहम हिस्से अगले कुछ महीनों में ही पूरे हो सकते हैं। इस मामले में अधीनस्थ संघीय अदालतों ने परियोजना पर रोक लगाते हुए कहा था कि इसके लिए कांग्रेस (संसद) की मंजूरी जरूरी है जिसके बाद ट्रंप प्रशासन ने उच्चतम न्यायालय का रुख किया। 'नेशनल ट्रस्ट फॉर हिस्टोरिक प्रिजर्वेशन' ने मुकदमा दायर कर कहा है कि ट्रंप को एकतरफा तरीके से यह काम शुरू करने का अधिकार नहीं है। परियोजना के तहत 'व्हाइट हाउस' के ईस्ट विंग को गिराया जा चुका है। संगठन के वकीलों का आरोप है कि 'व्हाइट हाउस' निर्माण कार्य में तेजी लाकर 'अदालतों की सुनवाई से पहले ही काम पूरा करने' की कोशिश कर रहा है।

'उन पर कड़ा प्रहार करेंगे', जॉर्डन में मिसाइल अटैक के बाद ट्रंप ने ईरान को दी जवाबी कार्रवाई की चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान की कार्रवाई के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। सोमवार (स्थानीय समयानुसार) ट्रंप ने कहा कि ईरान ने रात के दौरान जॉर्डन में तैनात अमेरिकी बलों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। अमेरिका इसका जवाब देगा। फॉक्स न्यूज को दिए एक फोन इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, 'हम उन पर कड़ा प्रहार करेंगे। इसका जवाब दिया जाएगा।' राष्ट्रपति ने बताया कि रात में दागी गई ईरानी मिसाइलों में से एक को अमेरिकी वायु रक्षा प्रणाली ने जानबूझकर नहीं रोका, क्योंकि आकलन में पाया गया था कि वह किसी लक्ष्य को नहीं लगेगी। वहीं, बाकी आने वाली मिसाइलों को बीच रास्ते में ही रोक दिया गया। हालांकि, ट्रंप ने कहा कि बातचीत की संभावना

अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। उन्होंने कहा, 'वे बातचीत करना चाहते हैं। लेकिन मुझे नहीं पता कि उनके साथ किसी समझौते पर भरोसा किया जा सकता है या नहीं।' ट्रंप ने कहा कि 'प्रतिबंधों का असर अब बहुत मजबूती से दिखाई दे रहा है। फॉक्स न्यूज ने एक अमेरिकी सूत्र के हवाले से बताया कि ईरान ने रविवार को जॉर्डन में अमेरिकी बलों पर कम से कम आठ बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। यह हमला अमेरिका की ओर से लारक द्वीप पर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के मिसाइल लॉन्चरों पर किए गए हवाई हमले के बाद हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, इस हमले से कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। दूसरी ओर, ईरान की फर्स न्यूज एजेंसी ने आईआरजीसी के बयान का हवाला देते हुए कहा कि ईरानी सेना ने जॉर्डन में स्थित किंग हुसैन और अल-अजराक अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मौजूद 'तकनीकी और रखरखाव ढांचे' तथा उन क्षेत्रों को निशाना बनाया जहां 'दुश्मन के लड़ाकू विमान' तैनात थे। ईरान का दावा है कि इस हमले से भारी नुकसान हुआ। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने लारक द्वीप पर किए गए हमले को 'सीमित और सटीक कार्रवाई' बताया। उसका कहना है कि यह कार्रवाई ईरान की उन माइन बिछाने वाली सैन्य क्षमताओं के खिलाफ की गई थी, जो होर्मुज स?ट्रेट से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों और वैश्विक व्यापार के लिए तत्काल खतरा पैदा कर रही थीं। हमले के बाद आईआरजीसी ने एक बयान में कहा कि इस कार्रवाई में कई सैन्यकर्मी और आम नागरिक मारे गए या घायल हुए हैं। संगठन ने कहा कि इस हमले का जवाब 'आक्रमणकारी को सजा देकर' दिया जाएगा। ईरान की अर्ध-सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी ने अनौपचारिक रिपोर्टों के आधार पर कहा कि लारक द्वीप पर हुए अमेरिकी 'ड्रोन हमले' में कम से कम दो लोगों की मौत हुई और दो अन्य घायल हुए हैं।

उत्तरी साइप्रस के तट पर फेरी डूबने से आठ यात्रियों की मौत, 18 लोग लापता

निकोसिया, एजेंसी। तुर्की साइप्रस अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी साइप्रस तट के पास एक तुर्की फेरी के डूबने के बाद राहत और बचाव अभियान जारी है। इस हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 8 हो गई है, जबकि 18 लोग अब भी लापता हैं। डबल-हल वाली इस फेरी में 259 यात्री और 8 चालक दल के सदस्य सवार थे। रविवार दोपहर कायरिनिया बंदरगाह से रवाना होने के कुछ ही समय बाद फेरी में पानी भरना शुरू हो गया और वह पलट गई। अधिकारियों के अनुसार, सोमवार तक 241 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया था। सि?न्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, पलटने बाद में फेरी समुद्र में 500 मीटर से अधिक गहराई में डूब गई। यह अभी साफ नहीं है कि कोई व्यक्ति जहाज के अंदर फंसा था या नहीं। हालांकि सोशल मीडिया पर

सामने आए कुछ वीडियो से संकेत मिला कि फेरी के डूबने के समय उसके एक हिस्से में अभी भी कुछ लोग मौजूद थे। तुर्की ने बताया कि वह खोज अभियान में मदद के लिए एक गहरे समुद्र में काम करने वाला रिमोट संचालित वाहन (आरओवी) भेज रहा है। यह उपकरण मंगलवार तक दुर्घटनास्थल पर पहुंचने की उम्मीद है। तुर्की साइप्रस अधिकारियों ने फेरी के कप्तान और चालक दल के सात अन्य सदस्यों को हिरासत में ले लिया है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, इस फेरी में पहले भी पानी रिसने की समस्या रही थी और उसकी मरम्मत कराई गई थी। कुछ बचे हुए यात्रियों ने दावा किया कि कप्तान और चालक दल के सदस्य सबसे पहले नाव से बाहर निकल गए और यात्रियों को सुरक्षित निकलने के लिए कोई स्पष्ट निर्देश नहीं दिए गए। शनिवार को साइप्रस में तेज तूफान आया था और रविवार को भी समुद्र की स्थिति काफी खराब बनी हुई थी। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि उस समय मौसम को देखते हुए फेरी का कायरिनिया से लगभग 120 किलोमीटर उत्तर में स्थित तुर्की के तासुकु बंदरगाह के लिए रवाना होना सुरक्षित माना गया था। अधिकारियों ने कहा कि फेरी के पलटने की असली वजह की जांच अभी जारी है। इस साल की शुरुआत में सूडान में भी इसी तरह की एक घटना हुई थी। उत्तरी सूडान के नील राज्य में एक यात्री फेरी नदी में डूब गई थी, जिसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई थी। सूडान की सिविल डिफेंस अथॉरिटी के एक अधिकारी के अनुसार, ऊंची लहरों के कारण नाव पलट गई थी। बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर 15 से अधिक शव बरामद किए थे। इस हादसे में 8 लोग बच गए थे, जबकि लगभग 4 लोग लापता बताए गए थे। फिलहाल साइप्रस में डूबी फेरी के लापता यात्रियों की तलाश जारी है और बचाव दल उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द से जल्द बाकी लोगों का पता लगाया जा सके।

राहुल पर एफआईआर को लेकर भड़के सैम पित्रोदा

न्यूयॉर्क , एजेंसी। भारतीय ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा ने अमेरिका में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के हालिया कार्यक्रम और उनके 'मानवता की एकता' वाले बयान पर सवाल उठाए हैं। पित्रोदा ने कहा कि केवल बयान देने से बात नहीं बनती, बल्कि किसी विचार की असली परीक्षा उसके अमल में होती है।

भागवत के बयान पर पित्रोदा ने क्या कहा : मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित 'वन वर्ल्ड वन ह्यूमैनिटी' कार्यक्रम में कहा था कि अलग-अलग धर्म भले ही अलग रास्तों पर चलते हों, लेकिन मानवता और सत्य एक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हर इंसान की गरिमा समान है। भागवत के इसी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पित्रोदा ने कहा कि भारत में मुस्लिम, ईसाई, यहूदी और बौद्ध समुदाय के लोगों से पूछा जाना चाहिए कि वे मौजूदा हालात को किस तरह देखते हैं। पित्रोदा ने कहा कि एक तरफ सभी का सम्मान करने की बात कही जाती है और दूसरी तरफ किसी के साथ मारपीट की घटनाएं होती हैं। उनके मुताबिक, 'बातों से ज्यादा काम मायने रखता है।

अमेरिका में भागवत के कार्यक्रम को लेकर क्यों हुआ विवाद : आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत अपने संगठन के शताब्दी वर्ष के वैश्विक संपर्क अभियान के तहत अमेरिका पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने भारतीय प्रवासियों, भारतीय-अमेरिकी कारोबारियों और विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। न्यूयॉर्क में उनके कार्यक्रम को लेकर राजनीतिक विरोध भी देखने को मिला। न्यूयॉर्क

के मेयर जोहरान ममदानी ने भागवत की यात्रा का विरोध किया था। कुछ नगर परिषद सदस्यों ने भी कार्यक्रम स्थल पर आयोजन रद्द करने की मांग की थी। हल्द्वानी में शुद्धिकरण विवाद को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर भी पित्रोदा ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कांग्रेस नेता की तारीफ करते हुए राहुल गांधी को मजबूत और दृढ़ नेता बताया। पित्रोदा ने दावा किया कि देश की संस्थाओं में सत्ता के अत्यधिक केंद्रीकरण का असर पड़ा है। उन्होंने न्यायपालिका, चुनाव आयोग, प्रवर्तन निदेशालय और स्थानीय पुलिस समेत कई संस्थाओं की स्वतंत्र भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए। पित्रोदा ने हाल में संपन्न संसद के मानसून सत्र को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि संसद में बहस के दौरान कई बार एक-दूसरे पर चिल्लाने की स्थिति दिखाई देती है। उन्होंने राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कहा कि सरकार कई मुद्दों पर दबाव में नजर आई। भारत की वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 7.8 फीसदी वास्तविक जीडीपी वृद्धि के आंकड़ों पर भी सैम पित्रोदा ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास का आकलन केवल आंकड़ों से नहीं, बल्कि इस आधार पर भी होना चाहिए कि उसका फायदा आम लोगों तक कितना पहुंचा। पित्रोदा ने पूछा कि क्या यह वृद्धि देश के लोगों के लिए है।

नेपाल बाढ़ : त्रासदी में अब तक 939 लोगों ने गंवाई जान, करीब 4000 लापता; राहत एवं बचाव अभियान जारी

काठमांडो , एजेंसी। नेपाल-तिब्बत सीमा के पास भोटेकोशी नदी में 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ ने दोनों ही देशों के इलाकों में भीषण तबाही मचाई है। इस बाढ़ में अब तक 939 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 4000 लोग अब भी लापता हैं। नेपाल-तिब्बत में विनाशकारी बाढ़ के बाद राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। वहीं, नेपाल के नुवाकोट के बिदुर में सेना की ओर से बचाव अभियान जारी है। बाढ़ से भोटेकोशी और त्रिशूली नदी प्रणालियों के प्रभावित होने के कारण त्रिशूली क्षेत्र के एक बाजार में कई दुकानें नष्ट हो गईं। बताया जा रहा है कि नुवाकोट में संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा है।

भारतीय टनल टीम ने संभाला मोर्चा, 158 भारतीयों का रेस्क्यू : काठमांडू। नेपाल और तिब्बत सीमा पर 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन के बाद स्थिति भयावह बनी हुई है। सोमवार को नेपाल के नुवाकोट स्थित बिदुर इलाके में मलबे में तब्दील हो चुके एक ही घर से बच्चे समेत 24 शव बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार मलबे में अभी और शव दबे होने की आशंका है। आपदा में अब तक कुल 955 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है (नेपाल में 939 और तिब्बत में 16), जबकि 4,471 लोग अब भी लापता हैं। करीब 65 हजार प्रभावितों तक तात्कालिक राहत सामग्री पहुंचाई गई है। विदेश मंत्रालय के अनुसार पिछले सप्ताह आई बाढ़ के बाद से अब तक 158 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया गया है।

हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स में टनल रेस्क्यू: नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव के अनुसार, भारतीय टनल रेस्क्यू टीम ने नेपाली सेना के साथ मिलकर चिलिमे और लांगटांग जलविद्युत परियोजनाओं में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है। चिलिमे में टीम दुर्गम रास्तों को पार कर सुरंग तक पहुंच गई है, जबकि लांगटांग में सुरंग के 185 मीटर भीतर तक सघन तलाशी ली गई है। फॉरेंसिक सहायता: भारतीय फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम काठमांडू स्थित नेपाल पुलिस की

सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लैब के साथ मिलकर मृतकों की पहचान और दस्तावेजीकरण में सहयोग कर रही है।

उत्तर प्रदेश में गंडक नदी से मिले 17 शव : कुशीनगर व महराजगंज में रिकवरी: नेपाल में आई बाढ़ के तेज बहाव में बहकर उत्तर प्रदेश की गंडक नदी में पहुंचे 17 शव बरामद किए गए हैं। इनमें 13 शव कुशीनगर (खड्डा और तमकुही राज तहसील) से मिले हैं, जबकि महराजगंज से मिले 4 शवों (3 महिलाएं शामिल) को पोस्टमार्टम और डीएनए सैंपलिंग के बाद नेपाल प्रशासन को सौंप दिया गया है। नेपाल सरकार ने बनाया 21-दिवसीय टास्क फोर्स, चीन का दावा

21 दिन का एक्शन प्लान: नेपाल सरकार ने रसुवा के भोटेकोशी नदी से प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा बहाल करने के लिए विशेष टास्क फोर्स का गठन किया है। यह टीम सड़क, झूला पुल, पेयजल, संचार और स्वास्थ्य सेवाओं को 21 दिनों के भीतर युद्धस्तर पर बहाल करेगी।

डेटा साझा करने पर चीन की सफाई: पूर्व चेतावनी न देने के आरोपों पर चीन ने स्पष्ट किया कि उसके वर्ल्ड मेट्रोलॉजिकल सेंटर ने घटना से 12 दिन पूर्व ही नेपाल को भारी बारिश, भूस्खलन और फ्लैश फ्लड को लेकर ईमेल के जरिए अलर्ट भेज दिया था।

प्रकृति की गोद में बसा है चांगलांग

अरुणाचल प्रदेश का चांगलांग प्राकृतिक सौंदर्य, विविधतापूर्ण संस्कृति, अनूठी परंपराओं और सुरम्य पहाड़ियों के लिए जाना जाता है। सुंदर घाटियों के बीच और ऊंचे पहाड़ों से घिरे चांगलांग की ऊंचाई 200 मीटर से 4500 मीटर है। चांगलांग मानव जाति के लिए प्रकृति के किसी उपहार से कम नहीं है। चांगलांग की लंबी पर्वत श्रृंखलाओं की गोद में पर्यटक ताजगी और सुकून महसूस करते हैं।

चांगलांग आने का सही समय

चांगलांग में पूरे साल सुखद जलवायु रहती है। हालांकि, नवंबर से फरवरी के सर्दियों के महीने में यहां का 12 डिग्री सेल्सियस से 28 डिग्री सेल्सियस तक रहता है।

चांगलांग के दर्शनीय स्थल

द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र

प्राचीन प्राकृतिक सौंदर्य और जीवंत संस्कृति से समृद्ध चंगलांग ऐतिहासिक युद्धों का गवाह रह चुका है। द्वितीय विश्व युद्ध में मारे गए सैनिकों के लिए यहां कब्रिस्तान बना है, जिसे जयरामपुर कब्रिस्तान के रूप में भी जाना जाता है। निराशाजनक यादों और भयावहता का एक रूप चांगलांग के मैदान में दफन है जहां द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र हैं। यहां दफन शहीद भारत, चीन, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे कई देशों के हैं। यह स्थान न केवल अतीत में लिए गए मानव के गलत एवं घातक निर्णयों का साक्षी है, बल्कि आपको उस समय असहायता और नुकसान का भी सामना करवाता है।

नामदफा नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व

इसे वर्ष 1983 में सरकार द्वारा एक प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व घोषित किया गया। भारत के चांगलांग में स्थित नामदफा नेशनल पार्क एक आश्चर्यजनक पार्क है, जो बड़े पैमाने पर 1985.25 वर्ग किलोमीटर भूमि के क्षेत्र में फैला हुआ है। पराक्रमी हिमालयी पर्वतमाला के करीब स्थित यह पार्क 200 मीटर से 4500 मीटर के बीच विभिन्न ऊंचाइयों पर फैला हुआ है। वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के अद्भुत आकर्षण के साथ इस पार्क में बाघ, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, हाथी और हिमालयी काले भालू जैसे वन्यजीवों के कुछ बेहतरीन किस्में मौजूद हैं। पर्यटकों को इस पार्क में रहने वाले जानवर बहुत आकर्षित करते हैं।

मियाओ

नोआ-देहिंग नदी के तट पर एक छोटा सा कस्बा है मियाओ। यह चांगलांग की सबसे सुरम्य बस्तियों में से एक है। यह स्थान कुछ तिब्बती शरणार्थियों का भी घर है, जो आश्चर्यजनक डिजाइन और बेहतरीन ऊनी कालीनों का उत्पादन करते हैं। चांगलांग में स्थित मियाओ आपको अपने मंत्रमुग्ध करने वाले नजारों से विस्मित कर देगा है।

लेक ऑफ नो रिटर्न

लेक ऑफ नो रिटर्न का न केवल नाम अनूठा है, बल्कि इसके पीछे एक दिलचस्प कहानी भी है। इतिहास के अनुसार झील द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दुश्मनों द्वारा मारे गए हवाई जहाजों की आसान लैंडिंग में सहायता करती थी। इसी काम के लिए झील का उपयोग करने के दौरान कई एयरक्राफ्ट लैंडिंग करते समय इसी जगह पर मारे गए और इसलिए इस झील का ये नाम पड़ा।

चांगलांग कैसे पहुंचें?

हवाई मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम हवाई अड्डा असम के डिब्रूगढ़ में स्थित मोहनबाड़ी है, जो शहर से लगभग 182 किमी की दूरी पर है। हवाई अड्डे से चांगलांग के लिए नियमित कैब सेवाएं उपलब्ध हैं।

रेल मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम रेलवे स्टेशन असम के तिनसुकिया में स्थित है, जो शहर से लगभग 141 किमी की दूरी पर स्थित है और देश के अन्य हिस्सों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

सड़क मार्ग द्वारा: चांगलांग बस स्टेशन देश के सभी प्रमुख हिस्सों से रोडवेज के माध्यम से जुड़ा हुआ है।

अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन और दर्शनीय स्थल

अगर आप अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं तो आप निम्न पर्यटन स्थलों को अपनी यात्रा की सूची में शामिल कर सकते हैं।

प्रमुख के पर्यटन स्थल तवांग

तवांग अरुणाचल प्रदेश का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो अपनी खूबसूरती से पर्यटकों को बेहद आकर्षित करता है। लगभग 3048 मीटर की ऊंचाई पर स्थित तवांग महत्वपूर्ण और सुंदर मठों के लिए जाना जाता है और दलाई लामा के जन्म स्थान के रूप में प्रसिद्ध है। तवांग एक ऐसी जगह है, जो आध्यात्मिकता की खुशबू में लिपटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता से आपको रोमांचित करेगी। सुंदर आर्किड अभयारण्य और टिपी ऑर्किड अभयारण्य तवांग में घूमने की अच्छी जगहों में शामिल हैं। यात्रा के दौरान इस क्षेत्र के अनूठे व्यंजनों का लुत्फ उठाना न भूलें।

प्रमुख दर्शनीय स्थल ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर एक प्राकृतिक स्वर्ग है, जो हिमालय के पर उत्तरी छोर पर स्थित है। हाल ही में इटानगर को सरकार द्वारा पर्यटकों के लिए खोला गया है। शहर की विरासत और आदिवासी संस्कृति, जो दशकों और सदियों पुरानी है वो आज भी यहां बरकरार है। 15 वीं शताब्दी का इटा-किला, पौराणिक गंगा झील, जिसे ग्यार सिनि और बुद्ध विहार के नाम से जाना जाता है, दलाई लामा द्वारा संरक्षित यह महत्वपूर्ण आकर्षण हैं। यहां का मौसम पर्यटकों को आकर्षित करता है। यूपिया शहर राज्य का प्रमुख आकर्षण है। आप दोनों शहरों को एक साथ कवर कर सकते हैं। आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा करने जा रहे हैं तो आपको इटानगर को यात्रा सूची में जरूर शामिल करना चहिए।

घूमने लायक जगह जीरो

जीरो अरुणाचल प्रदेश में एक विचित्र पुराना शहर है, जो अपा तानी जनजाति का घर है और अपनी देवदार की पहाड़ियों और चावल के खेतों के लिए प्रसिद्ध है। जीरो में जलवायु हल्की होती है, जिससे पूरे वर्ष यात्रा करना आरामदायक होता है।

देखने लायक जगह बोमडिला

बोमडिला अरुणाचल प्रदेश का एक सुंदर शहर है। बोमडिला कई स्थानों जैसे मंदिरों और वन्यजीव अभयारण्यों से भरपूर है। यहां पर बौद्ध और हिंदू दोनों मंदिर यहां पाए जाते है। इसके अलावा यहां पर्यटक सेब के बगीचे और ईगल नेस्ट वाइल्डलाइफ अभयारण्य की सैर भी कर सकते हैं।

आकर्षण स्थल भालुकपोंग

भालुकपोंग अरुणाचल प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो प्रकृति प्रेमी का स्वर्ग होने के अलावा कई वन्यजीवों को एक्स्प्लोर करने का मौका देता है। भालुकपोंग वातावरण से कई गतिविधियों की मेजबानी करता है। यहां जगल में बहने वाली कामेंग नदी शहर को और आकर्षक बनाती है। भालुकपोंग में आप पैदल यात्रा, ट्रेकिंग, कैंपिंग और फिशिंग का मजा ले सकते हैं। पखुई खेल अभयारण्य में बाघों, हाथी। बार्किंग डियर के साथ पक्षियों को देख सकते हैं।

दर्शनीय स्थल रोइंग

रोइंग यहां का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो बर्फ से ढकीं पहाड़ियों, गहरी घाटियों, अशांत नदियों, झरने, शांत झीलों, पुरातात्विक स्थल, शांति स्थलों से भरा है। जो भी पर्यटक यहां आता है, वो कभी निराश होकर नहीं जाता। रोइंग में प्रकृति प्रेमियों के लिए कई झीलें और घाटियां हैं, जो इसे स्वर्ग बनाती हैं। भीष्मनगर किला और नेहरू उद्योग इसके ऐतिहासिक महत्व को बताते हैं।

पर्यटन स्थल खोंसा

समुद्र तल से 1,215 मीटर औसत ऊंचाई पर, खोंसा एक सुंदर सा हिल स्टेशन है, जो प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। खोंसा अरुणाचल प्रदेश में तिरप जिले का मुख्यालय है और यह हिमालय पर्वतमाला से घिरे तिरप घाटी में स्थित है। खोंसा के मुख्य आकर्षण धाराएं, गहरी घाटियां, घने जंगल और बर्फ से ढकी पहाड़ियां हैं, जो पर्यटकों को यहां आने के लिए मजबूर करती हैं। पूर्व में म्यांमार की सीमा के साथ खोंसा एक सैन्य क्षेत्र है।

अरुणाचल प्रदेश का खूबसूरत कमलंग वन्यजीव अभयारण्य

अगर आप प्रकृति के करीब जाकर कुछ अलग अनुभव करना चाहते हैं, तो आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा का प्लान बना सकते हैं। अरुणाचल प्रदेश, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में से एक है, जो पूर्व में भूटान, उत्तर और पूर्वोत्तर में चीन, दक्षिणपूर्व में म्यांमार और दक्षिण में असम और नागालैंड राज्यों से घिरा हुआ है। पर्यटन के लिहाज से यह राज्य काफी खास माना जाता है, जहां दूर-दूर से सैलानी अपने मनोरंजन और रोमांच को दोगना करने के लिए आते हैं। एक शानदार अवकाश के लिए आप यहां का प्लान अपने परिवार या दोस्तों के साथ बना सकते हैं। इस राज्य का इतिहास कई हजार साल पुराना है, जिसका उल्लेख हिंदू धर्म के महाकाव्यों में भी मिलता है। यहां चारों तरफ फैले पहाड़ और हरियाली को देखकर पर्यटक काफी रोमांचित हो उठते हैं। यहां स्थित बौद्ध मठ विश्व भर में प्रसिद्ध हैं, आत्मिक और मानसिक शांति के लिए यहां दुनिया भर से नामचीन लोगों का भी आगमन होता है। अरुणाचल प्रदेश में पक्षियों की 500 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से कई अत्यधिक लुप्तप्राय हैं। अरुणाचल प्रदेश निर्मल पहाड़ों से भरा हुआ है जो सर्दियों के दौरान पर्यटकों की यात्रा को यादगार बनाते हैं और लुहावने दृश्य प्रस्तुत करते हैं। पहाड़ी आकर्षण से अलग यहां के वन्यजीव अभयारण्य सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते हैं। इस आलेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के खूबसूरत कमलंग वन्यजीव अभयारण्य के बारे में, यह अभयारण्य आपको किस प्रकार आनंदित कर सकता है।

कमलंग वन्यजीव अभयारण्य

कमलंग वाइल्ड लाइफसेंचुरी, अरुणाचल प्रदेश का एक खूबसूरत वन्यजीव अभयारण्य है, जो राज्य के लोहित जिले में स्थित है। इस अभयारण्य को 1989 में स्थापित किया गया था। चूंकि यह आरक्षित वन क्षेत्र यहां की कमलंग नदी के आसपास विकसित है, इसलिए इसका नाम नदी के नाम पर रखा गया था। यह सेंचुरी न सिर्फ वनस्पति और जंगली जीवों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करती है, बल्कि मिसमी, दिगारु, मिजो जैसी कई जनजातियां भी इसी अभयारण्य के आसपास रहती हैं।

इन जनजातियों को मानना है कि ये महाभारत के रुकमो नामक राजा के वंशज हैं। हालांकि इस बात में कितनी सच्चाई है, इस बात का कोई सटीक प्रमाण नहीं मिलता। उष्णकटिबंधीय और उप उष्णकटिबंधीय जलवायु क्षेत्रों में स्थित यह अभयारण्य भारत की चार बड़ी बिल्ली प्रजातियों (बाघ, तेंदुआ, स्नो लेपर्ड और क्लाउडेड लेपर्ड) का निवास स्थान भी है। कमलंग वन्यजीव अभयारण्य लोहित जिले के दक्षिण-पूर्व भाग में स्थित है और 783 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैला है। यहां कई खूबसूरत जलाशय भी मौजूद हैं, जिनमें ग्लो झील और परशुराम कुंड काफी लोकप्रिय हैं। ये जलाशय काफी ऊंचाई पर स्थित है, जहां पहुंचने के लिए आपको ट्रेकिंग का सहारा लेना होगा। परशुराम कुंड के दर्शन करने के लिए काफी संख्या में श्रद्धालुओं का भी आगमन होता है। आगे जानिए इस अभयारण्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां।

आने का सही समय

कमलंग वाइल्ड लाइफ सेंचुरी का भ्रमण आप किसी भी समय कर सकते हैं, यहां का मौसम सालभर शानदार बना रहता है, लेकिन यहां आने का आदर्श समय अक्टूबर से लेकर अप्रैल के मध्य का बताया जाता है, क्योंकि इस दौरान यह अभयारण्य हरियाली से भरा रहता है। इस दौरान आप यहां अपने आनंद को दोगना कर सकते हैं।

पूर्वोत्तर भारत का अरुणाचल प्रदेश हमेशा से ही देश के अनन्वेषित (अनिक्स्प्लॉर्ड) स्थलों में रहा है। इसके पीछे का कारण यातायात और कनेक्टिविटी की कमी है, लेकिन इसके बावजूद इस पर्वतीय राज्य की प्राकृतिक खूबसूरती को नकारा नहीं जा सकता है। अरुणाचल प्रदेश पर्यटन के लिहाज से एक समृद्ध भूखंड है, यहां घूमने-फिरने और देखने के लिए कई शानदार स्थल मौजूद है। जायकेदार व्यंजनों से लेकर आप यहां शानदार बायोडायवर्सिटी स्पॉर्ट्स का भी आनंद उठा सकते हैं।

एक ट्रैवलर की यात्रा को यादगार बनाने के लिए यहां बहुत कुछ उपलब्ध है। यहां के जलप्रपात भी सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते है। इस लेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के चुनिंदा सबसे खास जलप्रपातों के बारे में, जिन्हें आप अपनी पूर्वोत्तर की यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

नूरानंग जलप्रपात

अरुणाचल प्रदेश के जलप्रपातों की सैर आप यहां से सबसे प्रसिद्ध नूरानंग फॉल से कर सकते है। यह झरना राज्य का लोकप्रिय पर्यटन स्थल गिना जाता है। 100 मीटर की अपनी ऊंचाई के साथ यह निस्संदेह पूर्वोत्तर भारत में सबसे खूबसूरत झरनों में से एक है। इस जलप्रपात को बोंग-बोंग फॉल्स के नाम से भी जाना जाता है। नूरानंग जलप्रपात बोमडिला और तवांग को जोड़ने वाली सड़क के पास जंग से कुछ किमी की दूरी पर स्थित है। जलप्रपात के आधार पर एक छोटा विद्युत संयंत्र भी लगाया गया है। तवांग नदी से जुड़ा यह जलप्रपात चट्टानी पहाड़ियों की ढलान से नीचे गिरता है। जिसकी आवाज बहुत दूर से भी सुनी जा सकती है। इस झरने का नाम एक नूरा नाम की एक मोन्पा लड़की पर पड़ा है, जिसने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान एक भारतीय सैनिक की मदद की थी। इसके अलावा इसके दृश्यों को बॉलीवुड की फिल्मों में भी दर्शाया गया है, अगर आपको फिल्म कोयला याद है, तो उसमें एक गीत की पृष्ठभूमि के लिए इस जलप्रपात का चयन किया गया था। यह एक खास झरना है, आपको यहां जरूर आना चाहिए।

बिरसा मुंडा झरना

नूरानंग जलप्रपात के अलावा भी आप अरुणाचल प्रदेश के अन्य जलप्रपातों की सैर का प्लान बना सकते हैं। आप यहां के बिरसा मुंडा झरने की सैर कर सकते हैं। यह जलप्रपात राज्य के मेचुका जाने वाले रास्ते के दौरान पड़ता है। हालांकि यह एक अज्ञात झरना, जिसके विषय में अधिकांश ट्रैवलर नहीं जानते हैं। यहां तक आप स्थानीय निवासियों की मदद से पहुंच सकते हैं। प्राकृतिक खूबसूरती के मध्य बसा यह झरना आत्मिक और मानसिक शांति का अनुभव कराता है। खासकर प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए यह एक आदर्श जगह है। अगर आप अज्ञात स्थलों की सैर के साथ रोमांच का शौक रखते हैं, तो यहां जरूर आएं। बिरसा मंडा जलप्रपात की खूबसूरत आपको सच में वशीभूत कर लेगी।

बाप तेंग कांग

अगर आप अपने पर्यटन क्षेत्र का विस्तार करना चाहते हैं तो अरुणाचल प्रदेश के तवांग से 82 किमी दूर स्थित बाप तेंग कांग जलप्रपात की सैर कर सकते हैं। 100 फीट की ऊंचाई वाला यह झरना यहां के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले पर्यटन स्थलों में से एक है, जहां सैलानी जाना पसंद करते हैं। यह झरना प्रकृति प्रेमियों को अपने अद्भुत दृश्यों के साथ आकर्षित करता है। यह जलप्रपात बीटीके वॉटरफॉल के नाम से भी प्रसिद्ध है। यहां साफ पानी आपको नहाने के लिए जरूर मजबूर करेगा। एक शानदार अनुभव के लिए आप इस स्थल को अपनी यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

सिर्की जलप्रपात

बिरसा मुंडा जलप्रपात की तरह है, सिर्की जलप्रपात एक अज्ञात झरना है, जहां ज्यादातर ट्रैवलर पहुंच ही नहीं पाते। यह जलप्रपात राज्य के पासीघाट में स्थित है। यह एक खास स्थल है, जहां आप प्राकृतिक नजारों का लुत्फ उठाने के साथ-साथ ट्रेकिंग, हाइकिंग, पिकनिक जैसी रोमांचक गतिविधियों का भी आनंद उठा सकते हैं। इसके अलावा एडवेंचर के शौकीन यमबंग और सिर्की से पासीघाट तक राफ्टिंग का रोमांचक अनुभव भी ले सकते हैं। अपनी अरुणाचल प्रदेश की यात्रा को यादगार बनाने के लिए आप यहां जरूर आएं।

जलप्रपातों की अलावा: गंगा झील

जलप्रपातों के अलावा आप यहां जलीय आकर्षणों में राज्य की गंगा झील की सैर का प्लान भी बना सकते हैं। यह एक प्रसिद्ध झील है, जो राजधानी इटानगर से कुछ किमी दूर स्थित है। इस झील को इसके आसपास का प्राकृतिक माहौल खास बनाने का काम करता है। यहां की पहाड़ियां इस झील को जीवंत रूप प्रदान करती है। पर्यटन को ध्यान में रखते हुए यहां बोटिंग सुविधा उपलब्ध है। एक शानदार अनुभव के लिए आप यहां जा सकते हैं।

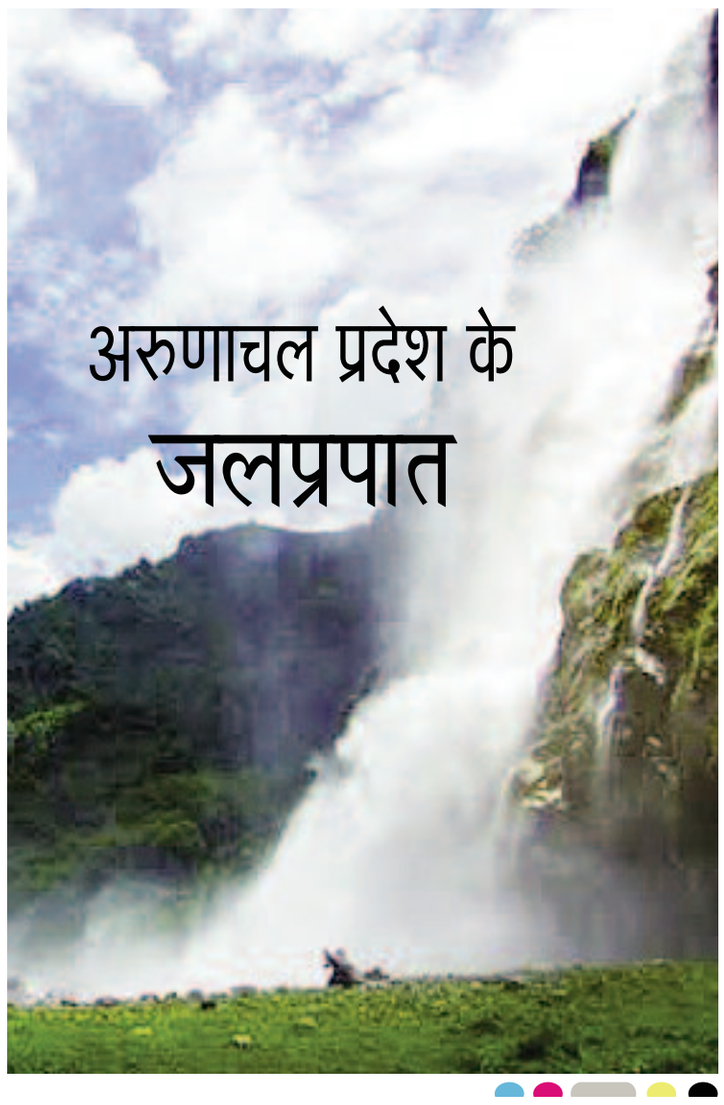

मसूरी गोलीकांड के शहीद राज्य आंदोलनकारियों का बलिदान सदैव याद रहेगा

राज्य आंदोलनकारियों के संघर्ष, तप, त्याग और बलिदान से साकार हुआ राज्य गठन का सपना

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को शहीद स्थल झूलाघर, मसूरी में उत्तराखंड राज्य आंदोलन के दौरान शहीद राज्य आंदोलनकारियों की स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने मसूरी गोलीकांड में शहीद राज्य आंदोलनकारियों को नमन करते हुए कहा कि राज्य आंदोलनकारियों ने अपने संघर्ष, तप, त्याग और बलिदान से उत्तराखंड राज्य गठन के सपने को साकार किया है। उन्होंने कहा कि मसूरी की धरती उत्तराखंड के संघर्ष और बलिदान की साक्षी है। वर्ष 1994 में मसूरी में हजारों राज्य आंदोलनकारी खटीमा गोलीकांड के विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। उनकी आंखों में आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य का सपना था। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीद आंदोलनकारियों का बलिदान प्रत्येक उत्तराखंडवासी की

स्मृतियों में सदैव अमर रहेगा। उन्होंने अपने संकल्प को दोहराते हुए कहा कि हम इन बलिदानों को कभी नहीं भूलेंगे। नई पीढ़ी को भी राज्य निर्माण के संघर्ष से परिचित कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि राज्य आंदोलन में मातृशक्ति ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हमारी माताओं-बहनों ने अपने संघर्ष और सहभागिता से आंदोलन को मजबूती प्रदान की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का स्पष्ट ध्येय है कि उत्तराखंड का कोई भी युवा रोजगार के लिए पलायन करने को मजबूर न हो, कोई भी गांव विकास से वंचित न रहे तथा देवभूमि की अस्मिता सदैव सुरक्षित और समृद्ध बनी रहे। उन्होंने कहा कि हमारा विकल्प रहित संकल्प है कि राज्य के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचे, हर गांव आत्मनिर्भर और समृद्ध बने, हर हाथ को काम और हर युवा को रोजगार मिले। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, पूर्व विधायक जोत सिंह गुनसोला, नगर पालिका अध्यक्ष मसूरी मीरा सकलानी, रविन्द्र जुगरान, जिलाधिकारी देहरादून आशीष चौहान आदि उपस्थित रहे।

बलाण गांव में दूसरे दिन भी नहीं पहुंची टीम

देवाल। दूरस्थ ग्राम पंचायत बलाण में एक सप्ताह से 45 से अधिक लोग बीमार हैं। ग्रामीणों की ओर से सूचना देने के दूसरे दिन बाद भी स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव नहीं पहुंची है। इससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी है।

ग्राम प्रधान खीमी राम, बीडीसी सदस्य प्रदीप दानू, विरेंद्र कुमार, गोविंद बिष्ट और रणजीत सिंह ने बताया कि तेज बुखार के कारण कई लोग बिस्तर से उठ नहीं पा रहे हैं। धीरे-धीरे बीमारों की संख्या बढ़ने लगी है। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी से जल्द टीम गांव में भेजने की मांग की। वहीं चमोली के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. राजीव सिंह पाल ने कहा कि जल्द टीम उपचार के लिए भेजी जाएगी।

दोणी प्राथमिक स्कूल में एडीएम के पहुंचने के बाद आए शिक्षक

नई टिहरी। एडीएम शैलेंद्र सिंह नेगी ने भिलंगना ब्लॉक के प्राथमिक और हाईस्कूल दोणी का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने स्कूल में शिक्षा व्यवस्था, शिक्षक उपस्थिति, कक्ष-कक्ष, कार्यालय, पेयजल और स्वच्छता व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस दौरान प्राथमिक स्कूल में कार्यरत दो शिक्षक अनुपस्थित पाए गए। हालांकि एडीएम के वहां पहुंचने के बाद ही दोनों शिक्षक स्कूल में उपस्थित हो गए थे। एडीएम ने इस पर खासी नाराजगी जताते हुए दोनों शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। दोणी हाईस्कूल में कार्यरत पांच शिक्षकों में से एक अवकाश पर और एक शिक्षक राजकीय कार्य से घनसाली बताए गए। एडीएम ने क्लास रूम में पहुंचकर छात्र-छात्राओं से संवाद कर उन्हें कई प्रश्न पूछ कर उनका शैक्षणिक स्तर को परखा। उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता में और सुधार लाने के निर्देश दिए। प्रधानाचार्य का पद रिक्त बताए जाने पर उन्होंने विभागीय अधिकारियों को रिक्त पद भरने का प्रस्ताव भेजने को कहा। एडीएम ने कहा कि स्कूल का पहला उद्देश्य छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। छात्रों के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने शिक्षकों को पूरी जिम्मेदारी के साथ शिक्षण कार्य करने और छात्रों की शैक्षणिक प्रगति पर ध्यान केंद्रित करने को कहा।

बारिश से छतियारा-खवाड़ा सड़क बंद होने से बढ़ी दिक्कतें

घनसाली/ नैनबाग। घनसाली क्षेत्र में भारी बारिश से छतियारा-खवाड़ा सड़क गत दिन से बाधित है। हालांकि हल्के वाहनों के लिए सड़क खुल गई है लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से बड़े वाहनों की आवाजाही बंद है।

केपार्स के ग्राम प्रधान रतन सिंह ने बताया भारी मलबा और बड़े बोल्डर आने से सड़क बाधित होने से क्षेत्र के 32 गांव के लोग प्रभावित हैं। सड़क खोलने के लिए प्रशासन ने जेसीबी मशीन लगाई है लेकिन सड़क पूरी तरह से खुल नहीं पाई है। मांदरा गांव के नीचे लगातार भूस्खलन होने ग्रामीण दहशत में है। बारिश से क्षेत्र के गाड़-गदेरे उफान होने से लोगों की परेशानी बढ़ी हैं।

एसडीएम मंजू राजपूत का कहना कि हिंदाव और बूढ़ाकेदार क्षेत्र में जिन परिवारों के घरों के आंगन में दरारें आई है। उन्हें सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कर दिया गया है। छतियारा-खवाड़ा सड़क खोलने के लिए ऋषिकेश से ब्रेकर और कंप्रेसर मशीन मंगवाई गई है। मशीनों की मद्द से सड़क को पूरी तरह से खोलने का काम किया जाएगा।

कर्णप्रयाग में एक सप्ताह में तैनाती देंगे नेत्र रोग विशेषज्ञ

कर्णप्रयाग। उप जिला अस्पताल में जल्द नेत्र रोग विशेषज्ञ की तैनाती होगी। एक माह पूर्व तैनात हुए नेत्र रोग विशेषज्ञ यहां एक सप्ताह में तैनाती देंगे। ऐसे में आंख के रोगों के उपचार और परामर्श के लिए अब लोगों को देहरादून, श्रीनगर के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।चमोली जिला चिकित्सालय सहित किसी भी अस्पताल में नेत्र रोग विशेषज्ञ नहीं हैं। यहां तक कि कर्णप्रयाग उपजिला अस्पताल और सिमली महिला अस्पताल में तैनात नेत्र रोग सहायक का तबादला होने के बाद इन अस्पतालों में प्राथमिक जांच तक नहीं हो पा रही है। ऐसे में अब यहां नेत्र रोग विशेषज्ञ की तैनाती होने पर लोगों को राहत मिलेगी।

चट्टान टूटने से दहशत में भदाकोटी गांव के लोग

चमोली। मंडल घाटी के बैरागना ग्राम पंचायत के भदाकोटी गांव के पात चट्टान टूटने से हुए भूस्खलन के बाद ग्रामीणों में दहशत फैल गई। चट्टान से छिटके बोल्डर और भारी मलबा गांव के समीप गदेरे में आ गया, जिससे जलस्तर बढ़ गया। गदेरे का पानी कई घरों में घुसने से ग्रामीण रातभर सो नहीं पाए। मंगलवार को गदेरे में मलबा आने से चमोली-कुंड हाईवे भी दिनभर बाधित रहा।

ग्राम प्रधान सृष्टि राणा ने बताया कि भदाकोटी गांव में 22 परिवार रहते हैं। सोमवार रात तेज बारिश के दौरान गांव के पीछे चट्टान से भूस्खलन हुआ और मलबा गांव की ओर आ गया। गदेरे का पानी पूर्व प्रधान महावीर सिंह राणा, रजत राणा, सतेंद्र सेमवाल, नंदकिशोर सेमवाल, हीरा सिंह राणा और जयकृत राणा के घरों में घुस गया। जिससे घरों में रखा सामान भी नष्ट हो गया। गांव के आठ आवासीय भवनों को अब भी गदेरे से खतरा बना हुआ है।

वहीं, राजकीय इंटर कॉलेज बैरागना के भवन भी भूस्खलन की जद में आने की आशंका है। रात करीब दो बजे बारिश धीमी पड़ने और गदेरे का जलस्तर कम होने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

गदेरे में अटके बोल्डर से ग्रामीणों की चिंता बढ़ी

बैरागना गांव के बीचों-बीच बह रहे गदेरे में अभी भी एक भारी-भरकम बोल्डर अटका हुआ है। ग्रामीणों को बोल्डर के लुढ़कने की आशंका है। ग्राम प्रधान सृष्टि राणा ने बताया कि क्षेत्रीय पटवारी मंगलवार को मौके पर गए थे। बोल्डर को हटाने को लेकर प्रशासन से वार्ता की गई है। उन्होंने चमोली-कुंड हाईवे पर पुलिया या कॉजवे निर्माण की मांग उठाई है।

संक्षिप्त समाचार

आरोपी चालक की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की

ऊखीमठ। ऊखीमठ-किमाणा मार्ग तिराहे पर 26 अगस्त को हुए सड़क हादसे में डॉ. कैलाश पुष्पवान को टक्कर मारने वाले वाहन चालक की गिरफ्तारी न होने पर लोगों में आक्रोश है। केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की। वहीं व्यापार मंडल ऊखीमठ, जनप्रतिनिधियों और लोगों ने उपजिलाधिकारी के माध्यम से पुलिस महानिदेशक को ज्ञापन भेजकर आरोपी चालक की गिरफ्तारी की मांग की।

विधायक ने पत्र में कहा कि घटना के बाद डॉ. कैलाश की मौत हो गई थी। इस संबंध में पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग से फोन पर वार्ता हुई लेकिन आरोपी चालक की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। ज्ञापन देने वालों में व्यापार संघ अध्यक्ष राजीव भट्ट, महामंत्री महेश बर्त्वाल, रवीन्द्र पुष्पवान, अनिल कुंवर, कनिष्ठ प्रमुख प्रदीप त्रिवेदी, प्रधान सुलेखा त्रिवेदी, प्रतिपाल बज्वाल आदि मौजूद थे। वहीं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कोतवाली में पुलिस उपाधीक्षक से मुलाकात कर आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष कुलदीप कंडारी, पूर्व प्रमुख प्रदीप थपलियाल, आलोक बगवाड़ी, कुंवर सजवाण, अंकुर रौथाड़, प्रमोद नेगी आदि मौजूद थे।

केदारनाथ यात्रा: 24 घंटे निगरानी करेगा कंट्रोल रूम

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा के दूसरे चरण की तैयारियां शुरू हो गई हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यात्रा मार्ग की निगरानी के लिए जिला आपदा प्रबंधन विभाग का कंट्रोल रूम 24 घंटे सक्रिय रहेगा। कंट्रोल रूम से पूरे यात्रा मार्ग पर सीसीटीवी कैमरों के जरिये नजर रखी जाएगी। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि केदारनाथ यात्रा मार्ग को 14 सेक्टरों में बांटा गया है। इनमें सात सेक्टर पैदल यात्रा मार्ग पर हैं। सभी सेक्टरों में तैनात टीमें आपसी समन्वय से काम करेंगी ताकि आपातस्थिति में श्रद्धालुओं को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने बताया कि पैदल मार्ग पर डीडीआरएफ, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, वाईएमआरएफ, म्यूल टास्क फोर्स और आपदा मित्रों की टीमें तैनात रहेंगी। मौसम और यात्रा मार्ग की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाएगी।

बेलनी पुल पर छह ट्रकों के साथ लोड टेस्टिंग शुरू

रुद्रप्रयाग। बेलनी पुल को आवाजाही के लिए खोलने की प्रक्रिया के तहत बुधवार से लोड टेस्टिंग शुरू हो गई है। परीक्षण के दौरान पुल पर छह ट्रकों को भार के साथ खड़ा किया गया। सुबह 8 बजे से यह प्रक्रिया शुरू हुई जिसमें 150 टन भार वहन क्षमता को नापा गया। इंजीनियरों ने पुल के तापमान और भार की स्थिति को मापा।बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग को केदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ने वाले इस पुल पर लोड टेस्ट के साथ अन्य तकनीकी परीक्षण किए जा रहे हैं। परीक्षणों की रिपोर्ट के आधार पर पुल को आम आवाजाही के लिए खोलने का निर्णय लिया जाएगा। यह पुल केदारनाथ और बदरीनाथ आने वाले यात्रियों को सुविधा देगा। लोनिवि एनएच खंड की सहायक अभियंता प्रेरणा जगूड़ी ने बताया कि लोड टेस्टिंग की प्रक्रिया करीब चार से पांच दिन चलेगी। इसके बाद ट्रकों को खाली कर दोबारा आकलन किया जाएगा।

कक्षा दो, पांच और आठवीं के छात्रों का होगा दक्षता आधारित आकलन

नई टिहरी। प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और वह हाईस्कूल-इंटर कॉलेज जहां कक्षा आठ तक की कक्षाएं संचालित होती है। वहां 7 सितंबर 2026 को दक्षता आधारित आकलन किया जाएगा।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए सीईओ कमला बडवाल ने ने सभी बीईओ, उप शिक्षाधकारी और समग्र शिक्षा अभियान के जिला समन्वयक को आकलन की सुचिता बनाए रखने और सभी बीईओ को सभी संस्थाध्यक्षों, बीआरपी और सीआरपी के साथ बैठक करने के निर्देश दिए हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नेत्र शिविर में 22 के आंखों की हुई जांच

रुद्रप्रयाग। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जखोली में आयोजित निशुल्क मोतियाबिंद शिविर में 22 लोगों की आंखों की जांच की गई। जांच में नौ लोगों में मोतियाबिंद की पुष्टि हुई। इनका देहरादून स्थित विवेकानंद नेत्रालय में निशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सीमा टेकचंदानी ने बताया कि शिविर में 12 पुरुष और 10 महिलाओं की जांच हुई। इनमें पांच पुरुष और चार महिलाओं की आंखों में मोतियाबिंद पाया गया। संबंधित लोगों को विवेकानंद नेत्रालय, रामकृष्ण मिशन आश्रम, किशनपुर की टीम रविवार को देहरादून ले जाएगी। शिविर में 16 ग्रामीणों को दवाएं भी वितरित की गईं। उन्होंने बताया कि अगला निशुल्क मोतियाबिंद शिविर पांच सितंबर को ग्राम सभा मनसूना में लगाया जाएगा। उन्होंने लोगों से शिविर का लाभ लेने की अपील की। शिविर के दौरान नेत्रदान पखवाड़े के तहत प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. खुशपाल ने बताया कि एक व्यक्ति के नेत्रदान से दो दृष्टिहीनों को दृष्टि मिल सकती है।

भालू ने फसल को पहुंचाया नुकसान

गोपेश्वर। नेलकुड़ाव गांव में भालू की सक्रियता से ग्रामीणों में दहशत है। मंगलवार रात भालू ने खेतों में घुसकर धान की खड़ी फसल को नुकसान पहुंचाया। भालू ने कई खेतों में धान की फसल रौंदने के साथ ही उसे खाकर नष्ट कर दिया। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।

पुष्कर सिंह, विजय सिंह, देवेश्वरी देवी, सुनीता देवी और सरस्वती देवी ने बताया कि क्षेत्र में भालू लगातार आवाजाही कर रहा है। इस कारण ग्रामीण शाम के बाद खेतों और आसपास के रास्तों पर जाने से डर रहे हैं। ग्राम प्रधान ममता देवी ने वन विभाग से क्षेत्रों में गश्त बढ़ाने की मांग की। उन्होंने भालू को आबादी क्षेत्र से दूर करने के साथ ही प्रभावित किसानों को फसल के नुकसान का मुआवजा देने की मांग की।

भवन तैयार इंटीग्रेटेड बीएड शुरू करने के लिए शासन की मंजूरी का इंतजार

नई टिहरी। फूल सिंह बिष्ट महाविद्यालय में इंटीग्रेटेड बीएड शुरू होने की उम्मीद लगाए बैठे छात्र-छात्राओं को अभी और इंतजार करना पड़ सकता है। महाविद्यालय प्रशासन की ओर से बीएससी बीएड और बीए बीएड शुरू करने के लिए उच्च शिक्षा निदेशालय को प्रस्ताव भेजा गया है लेकिन निदेशालय और शासन से इसकी स्वीकृति नहीं मिल पाई है। ऐसे में इस शिक्षा सत्र में भी क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को इंटीग्रेटेड बीएड में प्रवेश के लिए देहरादून या अन्य शहरों का रुख करना पड़ रहा है।

टिहरी, उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग और पौड़ी जिलों के राजकीय महाविद्यालयों में इंटीग्रेटेड बीएड की सुविधा उपलब्ध नहीं है। लंबगांव महाविद्यालय में इंटीग्रेटेड बीएड पाठ्यक्रम शुरू होने पर उक्त पर्वतीय जिलों के छात्र-छात्राओं को प्रवेश मिलने की उम्मीद जताई जा रही थी, लेकिन शासन-प्रशासन के स्तर पर लेट लतीफी के चलते इस सत्र में प्रवेश शुरू नहीं हो पाया।

गत वर्ष नवंबर 2025 में जल निगम ने 3 करोड़ 58 लाख रुपये की लागत से बीएड भवन का निर्माण पूरा कर इसे महाविद्यालय प्रशासन को सौंप दिया था। भवन तैयार होने के बाद इंटीग्रेटेड बीएड शुरू होने की उम्मीद जगी थी लेकिन अब स्वीकृति मिलने का इंतजार लंबा होता जा रहा है। महाविद्यालय की ओर से बीएससी बीएड और बीए बीएड की 40-40 सीटों का प्रस्ताव भेजा गया था।

5 दिनों से नहीं आई कूड़ा गाड़ी

भड़के निवासियों ने शुल्क देने से किया इन्कार

ऋषिकेश। नगर के वार्ड संख्या-6 आदर्श ग्राम में सफाई व्यवस्था की बदहाली ने स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। पिछले पांच दिनों से कूड़ा उठान वाहन के नहीं पहुंचने से जगह-जगह कूड़े के ढेर जमा हो गए हैं।

अगस्त से ही अनियमित कूड़ा उठान की समस्या झेल रहे लोगों के सामने अब दुर्गंध और संक्रमण का खतरा मंडरा रहा है। लगातार बिगड़ती व्यवस्था से नाराज स्थानीय निवासियों ने जिम्मेदार ठेकेदार का टेंडर निरस्त कर नई व्यवस्था लागू करने की मांग की है।

स्थानीय पार्षद चेतन चौहान ने बताया कि कूड़ा उठान न होने से घरों में भारी मात्रा में कचरा जमा हो चुका है। लोगों को काफी दिक्कतें हो रही हैं। स्थानीय निवासियों ने कूड़ा उठान शुल्क वसूलने वाली संस्था त्रिवेणी सेना की कार्य प्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं।

कहा कि त्रिवेणी सेना की महिलाएं हर माह कूड़ा उठान शुल्क वसूलती है लेकिन जब कूड़ा उठान नियमित न होने की शिकायत की जाती है तो अभद्रता से जवाब देती हैं। स्थानीय निवासियों ने कार्य में लापरवाही बरतने वाले संबंधित ठेकेदार का टेंडर तत्काल प्रभाव से निरस्त करने और किसी अन्य जिम्मेदार एजेंसी को यह कार्य सौंपने की मांग की है। आक्रोशित निवासियों ने चेतावनी दी है कि जब तक सफाई व्यवस्था दुरुस्त नहीं होती, तब तक वार्ड संख्या-6 का कोई भी निवासी अगस्त माह के लिए त्रिवेणी सेना को कूड़ा उठान का शुल्क नहीं देगा।

बाइक सवार को टक्कर मारकर भागा चालक

अगस्त्यमुनि। विजयनगर में तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए बाइक सवार को टक्कर मारकर फरार हुए मैक्स चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक गुमान सिंह ने बताया कि चिकित्सकीय परीक्षण में चालक के शराब के नशे में होने की पुष्टि हुई। पुलिस ने वाहन सीज कर दिया है।उन्होंने बताया कि एक सितंबर की शाम विजयनगर में बाइक सवार को टक्कर मारने के बाद मैक्स चालक वाहन समेत फरार हो गया था। सूचना मिलते ही अगस्त्यमुनि पुलिस ने पेट्रोल वाहन से उसका पीछा कर मैक्स को रुकवाया। पुलिस ने चालक आशीष नेगी को हिरासत में लेकर चिकित्सकीय परीक्षण कराया जिसमें शराब के नशे में होने की पुष्टि हुई है।

जिले में बारिश से दो राज्य मार्ग समेत 16 सड़कें बंद

रुद्रप्रयाग। जिले में बारिश के कारण दो राज्य मार्ग समेत 16 सड़कें यातायात के लिए बंद हैं। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, एसएच की दो, लोनिवि की छह, पीएमजीएसवाई की सात और एनपीसीसी की एक सड़क बंद है। वहीं, राष्ट्रीय राजमार्गों पर बुधवार को यातायात सुचारु रहा। बंद राज्य मार्गों में मयाली-गुप्तकाशी मोटर मार्ग और गुप्तकाशी-कालीमठ-कोटमा-जाल चौमासी मोटर मार्ग शामिल हैं। यहां भूस्खलन के कारण मार्ग अवरुद्ध हुआ। इसके अलावा लोनिवि, पीएमजीएसवाई और एनपीसीसी की सड़कें भी बंद होने से कई ग्रामीण क्षेत्रों में आवाजाही प्रभावित है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि बंद मार्गों को खोलने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई जारी है। उन्होंने कहा कि सड़क मार्गों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और मार्ग अवरुद्ध होने या क्षति की सूचना पर लोगों को भी सचेत किया जा रहा है।

मां चंडिका देवी मंदिर में हुआ डोली नृत्य

जखोली। ग्राम भटवाड़ी में मां चंडिका देवी मंदिर प्रांगण में मंदिर समिति की ओर से नौ दिवसीय पारंपरिक देवी डोली नृत्य का आयोजन किया जा रहा है। मां चंडिका के मुख्य आचार्य शिवप्रसाद थपलियाल ने बताया कि प्राचीन मान्यताओं के अनुसार ग्राम पौंठी, हिउना, चोंरा, नन्दवाणगांव, कुनियाली गांव में मां चंडिका की भूमि है जिसका कर आज भी नाली के अनुसार मंदिर को अर्पित किया जाता है। यह कार्यक्रम हर तीन वर्ष में आयोजित किया जाता है और इस मंदिर में इसी गांव से नियुक्त पुजारी का प्रवेश होता है अन्य का नहीं। समिति के अध्यक्ष पंकज भंडारी ने बताया कि मां चंडिका देवी की भूमिधारी गांवों के सभी लोग मिलकर देव डोली नृत्य का आयोजन करते हैं। इस अवसर पर पंकज भंडारी, संजय नौठीयाल, पवन थपलियाल, चंडिका के पश्वा लक्ष्मी प्रसाद, वीरचंद्र राणा, रमेश कण्डारी, संदीप भट्ट, परवीन बहुगुणा, विजेंद्र सिंह पंवार आदि उपस्थित रहे।

अखोड़ी से चार दिवसीय खतलिंग हिमालय जागरण महायात्रा शुरू

घनसाली (टिहरी)। पर्वतीय लोक विकास समिति, भिलंगना क्षेत्र विकास समिति और इंद्रमणि बडोनी साहित्य एवं कला मंच घनसाली की ओर से आयोजित 42वीं ऐतिहासिक पांचवां धाम खतलिंग हिमालय जागरण महायात्रा अखोड़ी इंटर कॉलेज से शुरू हो गई। अखोड़ी इंटर कॉलेज में मुख्य अतिथि एडीएम शैलेंद्र सिंह नेगी ने चार दिवसीय खतलिंग हिमालय जागरण महायात्रा का शुभारंभ किया।

अतिथियों ने उत्तराखंड के गांधी स्व. इंद्रमणि बडोनी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। एडीएम नेगी ने कहा कि हिमालय केवल उत्तराखंड की पहचान ही नहीं, बल्कि देश के जल, पर्यावरण और जैव विविधता का महत्वपूर्ण आधार है।

हिमालय को बचाने के लिए जंगलों और जलस्रोतों का संरक्षण, प्लास्टिक कचरे पर नियंत्रण के लिए जनअभियान का रूप देना होगा। बताया गया कि महायात्रा पांच सितंबर तक विभिन्न पड़ावों से होकर चलेगी। इस मौके पर कला मंच लोकेंद्र दत्त जोशी और विकास समिति के अध्यक्ष सूर्य प्रकाश सेमवाल, तेजराम सेमवाल, वीर सिंह राणा, शिव सिंह रौथाण मौजूद थे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

ईशांत शर्मा: कपिल देव के बाद टेस्ट में भारत के दूसरे सफलतम तेज गेंदबाज

पांच साल से पहले खेला आखिरी मैच

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा को उनकी लंबाई और निरंतरता के साथ 150 के आस-पास की गति के साथ गेंदबाजी के लिए जाना जाता है। ईशांत टेस्ट क्रिकेट में भारत के छठे सबसे सफल गेंदबाज हैं। वहीं कपिल देव के बाद टेस्ट क्रिकेट में भारत के दूसरे सबसे सफल तेज गेंदबाज हैं। ईशांत शर्मा का जन्म 2 सितंबर 1988 को दिल्ली में हुआ था। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने 2006 में दिल्ली के लिए डेब्यू किया। छह फीट चार इंच लंबे ईशांत शर्मा के पास वह सारी क्षमताएं थी, जो एक तेज गेंदबाज में होनी चाहिए। उनके पास गति के अलावा, स्विंग, और बाउंस था, जो विपक्षी बल्लेबाजों के लिए हमेशा मुश्किल खड़ी करता था। विराट कोहली, शिखर धवन, गौतम गंभीर जैसे दिग्गज क्रिकेटरों के साथ घरेलू क्रिकेट खेलने वाले ईशांत को मई 2007 में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू का मौका मिला। घरेलू क्रिकेट में पदार्पण के ठीक एक साल बाद भारतीय टीम में जगह बनाने वाले ईशांत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया और जल्द ही टेस्ट और वनडे फॉर्मेट में भारतीय तेज गेंदबाजी का

प्रमुख चेहरा बन गए। ईशांत ने देश और विदेश दोनों जगहों पर सफलता प्राप्त की। एमएस धोनी की कप्तानी में 2013 में इंग्लैंड को हराकर आईसीसी चैंपियस ट्रॉफी जीतने वाली टीम के ईशांत अहम सदस्य रहे।

शर्मा का व्यापक असर टेस्ट क्रिकेट में दिखा। विराट कोहली की कप्तानी में देश और विदेश में टेस्ट में भारतीय टीम को मिली सफलता की एक वजह ईशांत की गेंदबाजी भी रही। शर्मा भारत के उन चुनिंदा क्रिकेटरों में शामिल हैं जिन्हें 100 टेस्ट खेलने की उपलब्धि हासिल हो सकी है।

38 साल के होने जा रहे ईशांत शर्मा ने भारतीय टीम के लिए 105 टेस्ट मैच, 80 वनडे और 14 टी20 मैच खेले हैं। टेस्ट मैचों में उनके 311, वनडे में 115 और टी20 में 8 विकेट दर्ज हैं। ईशांत नवंबर 2021 के बाद से भारतीय टीम के लिए नहीं खेले हैं।

ईशांत निश्चित रूप से अब भारतीय टीम की योजना में नहीं हैं, लेकिन उन्होंने अब तक संन्यास नहीं लिया है। वह आईपीएल में गुजरात टाइटंस का हिस्सा हैं।

लॉर्ड्स टेस्ट में करारी हार के बाद पाकिस्तान का बड़ा एक्शन

इंग्लैंड दौरे से 7 खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ की छुट्टी, माइक हेसन को कमान

लंदन। इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में 194 रनों की करारी शिकस्त और सीरीज में 0-2 से पिछड़ने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कड़े कदम उठाए हैं। पीसीबी ने इंग्लैंड दौरे के बीच से ही अपनी लगभग आधी टीम बदलते हुए 7 प्रमुख खिलाड़ियों को स्वदेश वापस बुलाने का फैसला किया है। इसके साथ ही मुख्य कोच सरफराज अहमद और गेंदबाजी कोच उमर गुल को भी पद से हटा दिया गया है। टीम से बाहर किए गए 7 खिलाड़ी और उनके रिप्लेसमेंट पीसीबी के आधिकारिक बयान के अनुसार, खराब प्रदर्शन के चलते बाहर किए गए खिलाड़ियों की जगह नए खिलाड़ियों को तीसरे टेस्ट से पहले इंग्लैंड भेजा जा रहा है।

वापस बुलाए गए खिलाड़ी (7): मोहम्मद रिज़वान, इमाम-उल-हक़, सलमान अली आग़ा, आमिर जमाल, ख़ुर्रम शहज़ाद, अली उस्मान और ओवैस ज़फ़र।

नए शामिल खिलाड़ी (7): साइम अयूब, अब्दुल्ला फ़ज़ल, अराफ़ात मिन्हास, इमरान जूनियर, साद बेग, इमरान रंधावा और रज़ाउल्लाह।

कोचिंग स्टाफ में बड़ा फेरबदल: माइक हेसन को टेस्ट की भी कमान

सरफराज और उमर गुल की छुट्टी: मुख्य कोच सरफराज अहमद और बॉलिंग कोच उमर गुल की छुट्टी कर दी गई है।

हेसन और नोफ्के को जिम्मेदारी: सीमित ओवरों (व्हाइट-बॉल) के मुख्य कोच माइक हेसन को अब टेस्ट (रेड-बॉल) टीम का भी मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। वहीं एशले नोफ्के को टीम का नया गेंदबाजी कोच बनाया गया है।

भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम घोषित

हैंड्सकॉम्ब, सैम कोंस्टास को मौका

नई दिल्ली । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा भारत ए टीम के खिलाफ होने वाली दो चार दिवसीय, और तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम की घोषणा कर दी गई है। पीटर हैंड्सकॉम्ब को ऑस्ट्रेलिया ए टीम में जगह मिली है। इससे उनके टेस्ट करियर को एक और मौका मिल सकता है। टीम में ब्रेंडन डॉगेट और झाई रिचर्डसन भी हैं। ऑस्ट्रेलिया ए इस महीने के आखिर में दौरे के चार दिवसीय मैचों के लिए पुडुचेरी जाएगी, जिसके बाद तीन 50-ओवर के मैच होंगे। भारत ए के खिलाफ सीरीज बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले दौरे पर आ रहे कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के पास सीनियर टीम में जगह बनाने का यह मौका है। 35 साल के हैंड्सकॉम्ब चार दिन की टीम में सबसे उम्रदराज और सबसे अनुभवी खिलाड़ी

हैं। दाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने 2023 में ऑस्ट्रेलिया के पिछले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टूर के सभी चार टेस्ट में खेलने के बाद से इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेला है और न ही ऑस्ट्रेलिया ए के लिए खेला है। आने वाले महीनों में ऑस्ट्रेलिया के भारत लौटने के साथ, यह टूर उन्हें सीनियर टीम में वापसी की दावेदारी का मजबूत मौका देता है। ऑस्ट्रेलिया सबकॉन्टिनेंटल कंडीशन के लिए अपने तेज गेंदबाजी विकल्प को देख रहा है, इसलिए डॉगेट और रिचर्डसन पर भी ध्यान देने की संभावना है। रिचर्डसन कंधे की कई बड़ी सर्जरी के बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लौटे हैं, जबकि टॉड मर्फी, सैम कॉन्स्टास और नाथन मैकस्वीनी उन नौ खिलाड़ियों में शामिल हैं जो पिछले साल लखनऊ में ऑस्ट्रेलिया ए के चार-दिवसीय मैचों से लौटे हैं। युवा तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन स्पेंसर जॉनसन के साथ वन-डे टीम में हैं।'

आईसीसी रैंकिंग

विमेंस एशिया कप में ऑलराउंडर प्रदर्शन, टी20 करियर की बेस्ट रैंकिंग पर पहुंचीं अट्टापट्टू

दुबई । विमेंस एशिया कप 2026 में शानदार प्रदर्शन के साथ श्रीलंकाई कप्तान चामरी अट्टापट्टू आईसीसी विमेंस टी20 प्लेयर रैंकिंग में तीनों कैटेगरी में अपने करियर की बेस्ट रेटिंग प्वाइंट्स तक पहुंच गई हैं। अट्टापट्टू ने 29 अगस्त को यूएई के खिलाफ ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने 25 गेंदों में नाबाद 48 रन बनाए। बतौर गेंदबाज 3 ओवरों में 10 रन देकर 1 विकेट हासिल किया। कप्तान के इस प्रदर्शन की बदौलत टीम ने 9 विकेट से शानदार जीत हासिल की। इस नतीजे से अट्टापट्टू बल्लेबाजों की रैंकिंग में 734 रेटिंग प्वाइंट्स, गेंदबाजों में 552 और ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में 405 प्वाइंट्स के साथ अपने करियर की सबसे बेहतरीन स्थिति में

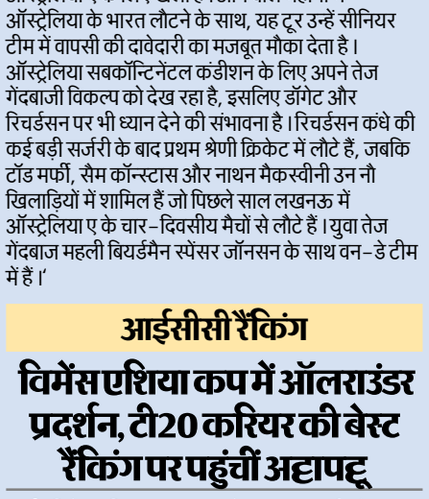

पहुंच गई। वह टी20 बल्लेबाजों में छठे स्थान पर बनी हुई हैं, जबकि गेंदबाजी सूची में तीन स्थान ऊपर चढ़कर 33वें स्थान पर पहुंच गई हैं और ऑल-राउंडर्स में तीसरे स्थान पर बरकरार हैं। अट्टापट्टू का यह प्रदर्शन इस साल की शुरुआत में आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में उनके अच्छे प्रदर्शन के बाद आया है, जहां उन्होंने श्रीलंका के लिए 172 रन बनाए थे और तीन विकेट लिए थे। उनकी ओपनिंग पार्टनर इमेशा दुलानी ने भी लेटेस्ट अपडेट में काफी सुधार किया है। यूएई के खिलाफ 18 गेंदों पर 25 रन की पारी खेलने वाली दुलानी चार स्थान ऊपर चढ़कर 625 रेटिंग प्वाइंट्स के साथ 18वीं रैंकिंग पर पहुंच गई हैं। वहीं, हर्षिता समरविक्रमा बल्लेबाजों में एक स्थान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर आ गई हैं। श्रीलंकाई गेंदबाजों को भी टूर्नामेंट के अपने शानदार ओपनिंग मैच का फायदा मिला है। मिताली अयोध्या ने 14 रन देकर तीन विकेट लिए, जिससे यूएई का स्कोर 79 रन तक सीमित रहा और वह 18 स्थान ऊपर चढ़कर 70वें स्थान पर पहुंच गई; साथ ही उनके 444 प्वाइंट्स भी उनके करियर का बेस्ट स्कोर है।

काउंटी चैंपियनशिप में इंग्लिश काउंट टीम

सरे से जुड़े औकिब नबी

फ्रेंचाइजी के लिए खेलेंगे 3 मुकाबले

नई दिल्ली। हाल ही में भारतीय टीम में चुने गए तेज गेंदबाज औकिब नबी काउंटी चैंपियनशिप में इंग्लिश काउंटी टीम 'सरे' से जुड़ गए हैं, जिसके लिए 3 मैच खेलेंगे। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय घरेलू क्रिकेट में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने टूर्नामेंट में 60 विकेट लिए और जम्मू-कश्मीर को उसका पहला खिताब जिताने में मदद की। नबी अब सरे के लिए यॉर्कशायर, ससेक्स और ग्लैमॉर्गन के खिलाफ होने वाले अगले तीन मुकाबलों में खेलेंगे। 'आईएएनएस' ने 28 अगस्त को खबर दी थी कि नबी के रविवार को सरे से जुड़ने और काउंटी चैंपियनशिप में खेलने की संभावना है। नबी सरे के लिए तीन मैच खेलेंगे, जिसकी शुरुआत 2 सितंबर को 'द ओवल' में यॉर्कशायर के खिलाफ मैच से होगी। इसके बाद क्रमशः 8 और 15 सितंबर को होव और 'द ओवल' में ससेक्स और ग्लैमॉर्गन के खिलाफ मैच होंगे।

इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने रविवार को 'आईएएनएस' को बताया, 'हां, सभी कागजी कार्रवाई पूरी होने के बाद औकिब को इंग्लैंड जाने के लिए वीजा मिल गया है। माना जा रहा है कि वह आज नई दिल्ली से इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो वह 2 सितंबर से शुरू होने वाले मैच के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। इस दौरे का मुख्य मकसद भारतीय टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ताओं के लिए यह देखना भी है कि क्या नबी इंग्लैंड में गेंद को अच्छी तरह से स्विंग करा सकते हैं, क्योंकि न्यूजीलैंड में होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए उन्हें रेड कूकाबुरा गेंद के साथ अनुकूल परिस्थितियों में ऐसा करने की जरूरत होगी।'

नबी को श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए चोटिल जसप्रीत बुमराह के स्थान पर चुना गया था, हालांकि उन्हें डेब्यू का मौका नहीं मिल सका, क्योंकि भारत दोनों मुकाबलों में दो तेज गेंदबाजों के साथ उतरा था।

विमेंस डीपीएल

नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स को हराया

नई दिल्ली । विमेंस दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के खिलाफ 2 रन से रोमांचक जीत दर्ज की। अब दोनों टीमें फाइनल मैच में बुधवार को फिर से आमने-सामने होंगी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए 5 विकेट खोकर 126 रन बनाए।

ओपनर नजमा 2 रन पर आउट हो गईं, जबकि शिवी शर्मा 3 रन पर आउट हुईं, जिससे टीम 12/2 के स्कोर पर दबाव में आ गई। इसके बाद कप्तान आयुषी सोनी ने 55 गेंदों पर नाबाद 62 रनों की अहम पारी खेली और सात चौकों की मदद से पारी को संभाला। अर्चना ने 14 गेंदों पर 21 रन बनाकर टीम को जरूरी गति दी, जबकि समायरा राघव ने 26 गेंदों पर 32 रनों का अहम योगदान दिया, जिसमें दो चौके और एक छक्का शामिल था।

साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के लिए रूपाली विश्व मोहन ने 23 रन देकर 2 विकेट लिए। इनके अलावा, मयूरी सिंह, तनिषा सिंह और एकता भड़ाना ने 1-1 विकेट निकाला। 126/5 के मामूली स्कोर का बचाव करते हुए, नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने अनुशासित गेंदबाजी की और तनावपूर्ण आखिरी ओवर में संयम बनाए रखते हुए साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स को 124/7 के स्कोर पर रोक दिया। भले ही साउथ दिल्ली की शुरुआत ठीक रही, लेकिन टीम के लिए कोई निर्णायक साझेदारी नहीं हुई।

प्रिया पुनिया ने 30 गेंदों पर सर्वाधिक 31 रन बनाए, जबकि तनीषा सिंह ने 24 रन और कप्तान श्वेता सहरावत ने 12 गेंदों पर 20 रन की पारी खेली।

वैभव, अभिमन्यु के साथ चमके मुकेश

'सेंट्रल' को 4 विकेट से हराकर फाइनल में 'ईस्ट जोन'

बेंगलुरु । ईस्ट जोन ने दलीप ट्रॉफी 2026 के 'सेमीफाइनल-1' में सेंट्रल जोन के खिलाफ मुकाबले के तीसरे दिन 4 विकेट से जीत दर्ज करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। कुल 7 विकेट हासिल करने वाले मुकेश कुमार को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। अब फाइनल मैच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में 6 सितंबर से शुरू होगा, जिसमें ईस्ट जोन की भिड़ंत सेमीफाइनल-2 (नॉर्थ जोन बनाम साउथ जोन) की विजेता टीम से होगी। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी सेंट्रल जोन ने पहली पारी में 266 रन बनाए। इस पारी में रिंकू सिंह ने सर्वाधिक 60 रन जड़े, जबकि आर्यन जुयाल ने 46 रन टीम के खाते में जोड़े। इनके अलावा, यश ठाकुर ने नाबाद 30 रन की पारी खेली। विपक्षी खेमे से मुकेश कुमार (56/3) और अभिजीत सरकार ने 3-3 विकेट निकाले, जबकि मोहम्मद शमी और कौनेन कुरैशी ने 2-2 विकेट चटकाए। इसके जवाब में ईस्ट जोन भी अपनी पहली पारी में 266 रन ही बना सकी। सलामी जोड़ी के रूप में वैभव सूर्यवंशी ने अभिमन्यु ईश्वरन के साथ पहले विकेट के लिए 153 गेंदों में 162 रन की साझेदारी की। वैभव 81 गेंदों में 7 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 92 रन बनाकर आउट हुए, जबकि अभिमन्यु ने 8 चौकों के साथ 69 रन की पारी खेली। इनके अलावा सुदीप कुमार ने 25 रन टीम के खाते में जोड़े। विपक्षी खेमे से हर्ष दुबे ने 4 विकेट झटके। आर्यन पांडे और यश ठाकुर को 3-3 विकेट हाथ लगे। सेंट्रल जोन की दूसरी पारी 158 रन पर सिमट गई। इस टीम ने 97 के स्कोर तक 8 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद अरशद खान ने हर्ष दुबे के साथ 9वें विकेट के लिए 43 रन की साझेदारी करते हुए टीम को शर्मनाक स्थिति से बाहर निकालने की कोशिश की। हर्ष 3 चौकों के साथ 24 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद अरशद (25) ने यश ठाकुर (नाबाद 4) के साथ 18 रन जोड़े। इस पारी में मुकेश कुमार ने 44 रन देकर 4 विकेट निकाले। इनके अलावा, मोहम्मद शमी ने 3 शिकार किए।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित

वैभव को मौका, बुमराह भी शामिल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज के लिए मंगलवार को 15-सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया। श्रेयस अय्यर टीम की कमान संभालेंगे, जबकि तिलक वर्मा को उप-कप्तानी सौंपी गई है। 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर से भारतीय टी20 टीम का हिस्सा हैं, जिन्होंने पिछले मौके को बखूबी भुनाया था। इस टीम में नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह और हर्षित राणा को फिटनेस के आधार पर शामिल किया गया है, लेकिन मध्यक्रम के विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह को मौका नहीं मिला। टीम में अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती जैसे नियमित खिलाड़ी शामिल हैं। हर्षित राणा की भी टीम में वापसी हुई है, जबकि जुलाई में जिम्बाब्वे में खेलने वाली टीम में कुछ बदलाव किए गए हैं। जिम्बाब्वे टी20 सीरीज में न चुने जाने के बाद संजू सैमसन की वापसी हुई है। नियमित तेज गेंदबाजों की वापसी से गेंदबाजी विभाग में भी बदलाव हुए हैं। अर्शदीप के साथ बुमराह और हर्षित शामिल हैं। प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा और मयंक यादव, जो सभी जिम्बाब्वे दौरे पर गई टीम का हिस्सा थे, इस बार टीम में जगह नहीं बना सके। हार्दिक पांड्या को भी टीम में जगह नहीं मिली है।

भारत और अफगानिस्तान के बीच 13 सितंबर को वनडे सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा, जिसके बाद 15 सितंबर को दूसरा मुकाबला आयोजित होगा। सीरीज का तीसरा और अंतिम मैच 17 सितंबर को खेला जाना है। तीनों मुकाबले दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होंगे। वैभव सूर्यवंशी ने हाल ही में दलीप ट्रॉफी 2026 में अपना जलवा बिखेरा है। उन्होंने सेमीफाइनल मुकाबले में ईस्ट जोन के लिए खेलते हुए सेंट्रल जोन के खिलाफ 92 और 40 रन की पारियां खेली थीं।

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की टी-20 टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा (उप-कप्तान), शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी*, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर*, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह*, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा*।

पाकिस्तान टीम का प्रदर्शन पिछले 70 सालों में सबसे खराब

ये खेल ही क्यों रहे: दानिश कनेरिया

नई दिल्ली । पाकिस्तान क्रिकेट टीम एक बार फिर से अपने खराब प्रदर्शन की वजह से चर्चा में है। बाबर आजम की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम 3 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड में है। शुरुआती 2 टेस्ट गंवाकर पाकिस्तान सीरीज में 2-0 से पीछे है। सीरीज हारने के बाद पाकिस्तान टीम और मैनेजमेंट फिर से सवालों घेरे में है। पूर्व पाकिस्तानी स्पिनर दानिश कनेरिया का कहना है कि पिछले 70 साल में उन्होंने पाकिस्तान टीम की ऐसी दुर्दशा नहीं देखी। आईएएनएस से खास बातचीत में दानिश कनेरिया पाकिस्तान क्रिकेट टीम की बल्लेबाजी, गेंदबाजी, कप्तानी, टीम चयन, चयनकर्ताओं और प्रबंधन से जुड़े अन्य विषयों पर बात की और पाकिस्तान क्रिकेट टीम की मौजूदा स्थिति को बेहद निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा, 'पिछले 70 साल में पाकिस्तान क्रिकेट टीम की स्थिति सबसे खराब है। हारना बुरा नहीं है, लेकिन पाकिस्तान टीम के किसी भी खिलाड़ी द्वारा कोई संघर्ष या फिर जूझने की क्षमता दिखाई नहीं पड़ती। यह सबसे बुरी स्थिति है।'

कनेरिया ने कहा, 'पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेने के लिए कोई तैयार नहीं है। खिलाड़ी हों या चयनकर्ता किसी ने भी जिम्मेदारी नहीं ली है।

इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज गंवाने के बाद पीसीबी में 'भूचाल'

सेलेक्टर मिस्बाह-उल-हक ने इस्तीफा भेजा

नई दिल्ली । दूसरे टेस्ट में शर्मनाक हार के बाद सीरीज के बीच में ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टीम में बड़े बदलाव किए, जिसके बाद मिस्बाह-उल-हक ने पाकिस्तान की पुरुष चयन समिति के सेलेक्टर पद से इस्तीफा देने की पेशकश कर दी है। मिस्बाह मार्च में बनी उस चार सदस्यीय चयन समिति का हिस्सा थे, जिसमें आकिब जावेद, सरफराज अहमद और असद शफीक भी शामिल हैं। हालांकि, 'क्रिकइन्फो' की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के पूर्व कप्तान ने चयन पैनल से इस्तीफा देने की पेशकश की है। पीसीबी ने अभी तक उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है, लेकिन खबरों के मुताबिक मिस्बाह ने लाहौर में नेशनल क्रिकेट अकादमी में बैटिंग कंसल्टेंट के पद से भी इस्तीफा दे दिया है। पाकिस्तान को इंग्लैंड के खिलाफ लंदन में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में 194 रन से हार का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद सोमवार को पीसीबी ने टेस्ट टीम से 7 खिलाड़ियों के साथ हेड कोच और बॉलिंग कोच सरफराज खान और उमर गुल को हटाया।